डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 39 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

बिहार विधानसभा में भाजपा को हराने की जिम्मेदारी मुसलमानों की होगी

-14 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत आबादी वाले बनेंगे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री
-18 प्रतिशत जनसंख्या वाला मुस्लिम समुदाय की हैसियत सिर्फ वोट बैंक की ही रहेगी

एम. खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा को हराने की जिम्मेदारी मुसलमानों के ऊपर आ गई। जबकि 14 प्रतिशत आबादी वाले यादव समाज के तेजस्वी यादव जो राजद के लीडर हैं मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी तरह 2.5 प्रतिशत कश्यप (निषाद/मल्लाह) समाज के नेता मुकेश साहनी बिहार के उप मुख्यमंत्री बनेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बिहार की सत्ता संभालने का सपना देख रहे इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पद चुनाव से पहले ही बांट लिए हैं। इंडिया गठबंधन को थोक के भाव वोट देने वाले मुस्लिम समाज के हिस्से में सिर्फ भाजपा को हराने की जिम्मेदारी दी है। फिर भी मुस्लिम समाज इंडिया गठबंधन के साथ खुश दिखाई दे रहा है। इंडिया गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में 35-40 टिकट दिए थे जबकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में घटकर 29 टिकट ही दिए हैं। मुस्लिम समाज में राजनीतिक जागरूकता की कमी होने के कारण सभी विपक्षी राजनीतिक दल सिर्फ मुस्लिम वर्ग को वोट बैंक समझने लगे हैं। ज्यादातर विपक्षी दल मुसलमानों के वोट इसलिए लेना चाहते हैं कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकना है। मुसलमानों में भाजपा का डर बिठाया जा रहा है। यह सही भी है कि भाजपा के 12 वर्ष के शासन में मुस्लिम समाज को हासिये पर धकेलने की कोशिश की गई है। मुसलमानों के बुनियादी पहचान को समाप्त करने की कोशिश हुई है। तीन तलाक, आरएनआरसी, एनआरसी, वक्फ एमेंडमेंट बिल, मदरसों एवं मस्जिदों पर बुलडोजर एवं मुस्लिम समाज का उत्पीड़न जैसी घटनाओं ने मुस्लिम समाज को भाजपा से काफी दूर कर दिया है। लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल भाजपा और मुस्लिम वर्ग के बीच की दूरी का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। मुस्लिम वोटरों के सहारे सत्ता में आने के बाद कांग्रेस, राजद एवं अन्य दल मुसलमानों के योगदान को भूल जाते हैं। उन्हें भाजपा का डर दिखाकर सरकारों और पार्टियों में उचित भागीदारी नहीं दी जाती है।

बिहार में मुसलमानों को कम टिकट दिए गए हैं-

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इंडिया गठबंधन ने मात्र 29 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जिनमें राजद ने 19, कांग्रेस ने 10 और सीपीआई (एमएल) ने 2 टिकट दिए हैं। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में इंडिया गठबंधन ने 35-40 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इसी तरह एनडीए ने पिछली बार 12 से 15 मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव में उतारे थे। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मात्र 5 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं। जिनमें जेडीयू ने 4 मुस्लिम उम्मीदवार एवं एलजीपी (पासवान) ने 1 मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दिया है। जबकि भाजपा जो बिहार में 101 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है, एक भी मुस्लिम को उम्मीदवार नहीं बनाया है। बिहार प्रदेश में मुसलमानों की आबादी 18 प्रतिशत है। इसलिए मुसलमान की जनसंख्या के अनुसार बिहार विधानसभा में करीब 44 मुस्लिम विधायक जीतकर पहुंचने चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में करीब 23 मुस्लिम विधायक जीतकर आए थे।

एआईएमआईएम ने उतारे 24 उम्मीदवार-

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 24 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। जिनमें से एक उम्मीदवार हिंदू राजपूत समाज से है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में ओवैसी की पार्टी के पांच मुस्लिम उम्मीदवार जीत कर आए थे। ओवैसी की पार्टी से इंडिया और एनडीए किसी भी गठबंधन ने साथ चुनाव लड़ने का समझौता नहीं किया है। दोनों गठबंधन ओवैसी की पार्टी को सांप्रदायिक पार्टी मानते हैं। ओवैसी की पार्टी इस बार विधानसभा 2025 में अपनी ताकत दिखाने के लिए बेताब है। माना जा रहा है कि 10 सीटों पर ओवैसी के उम्मीदवार बढ़त बना सकते हैं। देश के मुसलमान ओवैसी की पार्टी का कम ही साथ देते हैं। लेकिन ओवैसी ने मुसलमानों को जिस प्रकार राजनीतिक रूप से जागरूक किया है उसे दूसरे राजनीतिक दलों में बेचैनी फैली हुई है। मुसलमान अब सरकार और राजनीति में भागीदारी की बात करने लगा है। मुस्लिम वर्ग अब भाजपा को हराने का अकेले ठेकेदार नहीं बना रहना चाहता है। इसलिए कहा जा सकता है कि इस बार का मुस्लिम बिहार में पहले से ज्यादा जागरूक होकर वोट कर सकता है। जो मुसलमानों के भविष्य को लेकर काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है।

अंता में त्रिकोणीय मुकाबला, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा और प्रमोद जैन भाया की प्रतिष्ठा दाव पर

-एसडीपीआई ने दिया नरेश मीणा को समर्थन
-कांग्रेस में बढ़ी मुस्लिम कार्यकर्ताओं की अहमियत

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव 11 नवंबर को होने जा रहा है । अब तक के रुझानों से लगने लगा है कि मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है । कोई भी दल जीत का दावा नहीं कर पा रहा है । अंता विधानसभा की जनता भी एक तरफ किसी उम्मीदवार के समर्थन में दिखाई नहीं दे रही है । जनता के बीच जाने पर लगता है कि कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया, भाजपा के मोरपाल सुमन और निर्दलीय नरेश मीणा को अच्छा खासा समर्थन मिल रहा है । कांग्रेस के पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया जो कांग्रेस सरकार में मंत्री भी रहे, की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई है । कांग्रेस उम्मीदवार वैश्य वर्ग से आते हैं । भाजपा उम्मीदवार माली समाज से आते हैं और निर्दलीय नरेश मीणा मीणा आदिवासी समाज के नेता हैं। अंता विधानसभा सीट पर माली, मीणा एवं दलितों की संख्या करीब 40-40 हज़ार के आस-पास है । अंता सीट पर मुस्लिम वर्ग के वोटर करीब 27-28 हज़ार बताए जा रहे हैं । इस सीट पर सामान्य वर्ग (राजपूत, ब्राह्मण और वैश्य) की संख्या बहुत कम करीब 15 हज़ार है, जो भाजपा और कांग्रेस दोनों में बंट सकता है । अंता विधानसभा सीट झालावाड़ लोकसभा क्षेत्र में आने के कारण पूर्व मुख्यमंत्री

श्रीमती वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा भी दाव पर लगी हुई है । भाजपा उम्मीदवार मोरपाल सुमन राजे की सहमति के बाद ही चुनाव में उतरे हैं । लेकिन मीणा समाज के संघर्षशील युवा नेता नरेश मीणा ने इस चुनाव को रोचक स्थिति में ला खड़ा किया है । सांसद हनुमान बेनीवाल और राज्य सरकार के पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा भी नरेश मीणा का समर्थन कर रहे हैं । थप्पड कांड से चर्चित हुए नरेश मीणा की चर्चा आज पूरे प्रदेश में होती है । वैसे ज्यादातर उप चुनावों में सत्ताधारी पार्टी का उम्मीदवार ही जीतता आया है, लेकिन कभी-कभी दूसरे उम्मीदवार भी बाज़ी मार ले जाते हैं।

एसडीपीआई ने दिया नरेश मीणा को समर्थन-

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ इंडिया (एसडीपीआई) ने अंता विधानसभा सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को समर्थन दिया है । हाड़ौती क्षेत्र में एसडीपीआई का एक बड़ा वोट बैंक है । एसडीपीआई के कारण कांग्रेस का वोट बैंक समझे जाने वाला मुस्लिम वर्ग के वोटो में बंटवारा हो सकता है । वैसे जब से एसडीपीआई ने निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को समर्थन दिया है, तब से कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया मुस्लिम कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पूछगछ करने लगे हैं, जबकि पहले मुसलमानों

को सिर्फ कांग्रेस का वोट बैंक समझा जाता था । अंता विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम वोट भाजपा को भी जाएंगे, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री राजे से भी काफी मुस्लिम जुड़े हैं और उनका साथ देते आए हैं । अंता में यह पहली बार है कि मुकाबला त्रिकोणीय लगने लगा है, क्योंकि तीनों ही उम्मीदवार सभी जाति, समाज एवं धर्म के लोगों का समर्थन लेने में सफल होते लग रहे हैं । इसलिए कहा जा सकता है कि यहां मुकाबला त्रिकोणीय ही है ।

मध्य प्रदेश के भिंड में दलितों का बहिष्कार

-इससे पहले इंदौर के कपड़ा बाजार से मुस्लिम मजदूरों का बहिष्कार किया गया था

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मध्य प्रदेश के भिंड में उच्च जाति के तीन लोगों ने 20 अक्टूबर 2025 को दलित युवक ज्ञान सिंह के साथ मारपीट की और बोतल में भरकर मूत्र जबरदस्ती पिलाया, तबीयत खराब होने पर दलित युवक को भिंड जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया । पुलिस में शिकायत के बाद ब्राह्मण समाज के लोगों ने दलित समाज के लोगों का बहिष्कार कर दिया ।

भिंड पुलिस ने ज्ञान सिंह के साथ हुए उत्पीड़न के मामले में तीन लोगों सोनू बरुआ, आलोक शर्मा और छोटू पर एफआईआर दर्ज की है । कुछ दिन पहले इंदौर में भाजपा विधायक के कहने पर वहां कपड़ा बाजार के व्यापारियों ने मुस्लिम समाज के मजदूरों को हिंदुओं की दुकानों से निकाल दिया था । प्रदेश में भाजपा की सरकार है । मध्य प्रदेश में वैसे तो ओबीसी वर्ग का मुख्यमंत्री है । लेकिन दलितों के साथ अत्याचार की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं । वैसे जहां-जहां भाजपा की राज्य सरकारें हैं वहां दलित और मुस्लिम के साथ आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं ।

रील और इंटरनेट डाटा बना बिहार में चुनावी मुद्दा

-प्रधानमंत्री मोदी ने अपने-अपने तरीके से फायदे नुकसान गिनाए

पटना । बिहार चुनाव में रील और डेटा को लेकर पीएम मोदी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। मोदी ने सस्ते डेटा और रील को युवाओं के लिए उपलब्धि बताया, वहीं राहुल गांधी ने इसे समय की बर्बादी कहा है। यह विवाद चुनाव की बीच डिजिटल इंडिया, युवा रोजगार और सोशल मीडिया के प्रभावों की ओर खिचता जा रहा है। बिहार चुनाव में सियासी बयानबाजी अपने चर्म पर है। जहां सत्तापक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाने में लगा है, वहीं विपक्ष सरकार की नाकामियों पर उसे घेर रहा है। भारत में 4G आने के बाद से इंटरनेट पैक काफी सस्ते हुए हैं, जिसकी मदद से इंटरनेट को हर वर्ग तक पहुंचाने में खासा मदद मिली है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया लक्ष्य में सस्ते डेटा ने बड़ी भूमिका निभाई है और अब NDA इसे बिहार चुनावों में भुनाना चाह रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार से अपने बिहार चुनाव प्रचार की शुरुआत की, अपने पहले ही भाषण में उन्होंने सोशल मीडिया रील ट्रेंड पर बड़ी बात कही। उन्होंने इसे अपनी सरकार की उपलब्धि बताते हुए कहा कि हाल में 1 जीबी डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है। उन्होंने कहा कि बिहार के बहुत सारे युवा इंटरनेट से अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं और अपनी कला और क्रिएटिविटी पूरी दुनिया को दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इस बयान के जरिए रील ट्रेंड की सराहना की और सस्ते डेटा के लिए अपनी पीठ थपथपाई। लेकिन बिहार कांग्रेस ने उन्हें इसपर घेर लिया है। बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स पर राहुल गांधी के रील को लेकर विचार शेयर करते हुए कैप्शन दिया, 'अंतर साफ है' और यूजर्स से सवाल किया कि रील मुद्दे पर कौन सही हैं?

रील को लेकर राहुल गांधी ने क्या कहा था?

बिहार कांग्रेस की ओर से शेयर की गई इस पुरानी वीडियो में राहुल गांधी युवाओं पर एक तीखी टिप्पणी करते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि आज के युवा रोजाना 7-8 घंटे रील देखते रहते हैं और दोस्तों को भेजते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, "अंबानी और अडानी के बेटे वीडियो नहीं देखते, वे पैसे गिनने में व्यस्त रहते हैं।" पीएम मोदी के बयान और राहुल गांधी की टिप्पणियों ने ऑनलाइन विशेषाधिकार, अवसर और भारत के युवाओं की दिशा पर बहस छेड़ दी है। एक तरफ पीएम मोदी रील ट्रेंड और सस्ते डेटा की सराहना कर रहे हैं, वहीं राहुल गांधी इसे आम युवाओं को बर्बाद करने वाला बता रहे हैं, जो दिन के 7-8 घंटे इसमें बर्बाद कर रहा है।

'हमें डेटा नहीं, बेटा चाहिए'- PK

पीएम मोदी के बयान पर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने दो दिन पहले बिहार में कहा था कि हम बिहार में सस्ता डेटा उपलब्ध करा रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं – 'हमें डेटा नहीं, बेटा चाहिए'... आप कारखाने गुजरात ले जाएंगे और डेटा बिहार को देंगे ताकि यहां के लोग अपने बच्चों को केवल वीडियो कॉल पर ही देख सकें।"

रील देखने और बनाने वालों की बात

पीएम मोदी का भाषण रील बनाने वालों पर केंद्रित था। हाल के सालों में देखा गया है कि कई रील क्रिएटर्स सोशल मीडिया के जरिए अच्छा पैसा कमा रहे हैं और अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। वहीं राहुल गांधी ने जनता का ध्यान रील देखने वालों पर खींचा है, जो अपने दिन के 6-7 घंटें डूम स्क्रोलिंग में बर्बाद कर रहे हैं। जिससे उनकी पढ़ाई, काम आदि पर नकारात्मक असर पढ़ रहा है। बता दें, संख्या के आधार पर की रील देखने वाले रील बनाने वालों से कई गुना ज्यादा हैं।

क्या कहती है रिसर्च?

डॉक्टर्स लोगों को अपने फोन पर बिताए जाने वाले घंटों को कम करने की सलाह देते हैं, क्योंकि इसे मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी खतरनाक बताया गया है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के सर्वे के मुताबिक इंटरनेट की लत से सोशल कॉग्निटिव फ्रेमवर्क में सेल्फ कंट्रोल पावर में कमी आती। NLB का यह यह सर्वे शिक्षा और छात्रों पर सोशल मीडिया के विभिन्न सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर केंद्रित है। इस रिसर्च में माना गया कि इसके नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए सोशल मीडिया तक छात्रों और युवाओं की पहुंच को सीमित करना होगा। सोशल मीडिया साइटों पर बिताए जाने वाले समय को कम करके अधिकांश नुकसानों को कम किया जा सकता है।

अब 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे दुकान और वाणिज्य संस्थानों में नहीं कर सकेंगे काम

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025 का किया अनुमोदन
-व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा, श्रमिकों का कल्याण होगा सुनिश्चित

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही श्रमिकों के कल्याण और उनकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान (संशोधन) अध्यादेश 2025 का अनुमोदन किया है। अध्यादेश में प्रस्तावित संशोधन के अनुसार कम उम्र के बच्चों को दुकानों और वाणिज्य संस्थानों में नियोजित नहीं किया जा सकेगा। प्रशिक्षु की न्यूनतम उम्र अब 12 वर्ष के स्थान पर 14 वर्ष अनिवार्य की गई है। वहीं, रात्रि के समय में 14 से 18 साल की उम्र के किशोर कार्य भी नहीं कर पाएंगे। पहले यह सीमा 12 से 15 वर्ष नियत थी। इन संशोधनों से बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के उचित अवसर मिल सकेंगे। इसी प्रकार, अध्यादेश में श्रमिकों की दैनिक कार्य अवधि की अधिकतम सीमा 9 के स्थान पर 10 घंटें नियत की गई है। वहीं, ऑवरटाइम करने की अधिकतम सीमा को भी तिमाही में 144 घंटों तक बढ़ाया गया है। इससे

दुकानों और व्यापारिक संस्थानों की कार्यक्षमता के साथ-साथ उत्पादकता में भी वृद्धि होगी। प्रचलित राजस्थान दुकान एवं वाणिज्य संस्थान अधिनियम 1958 एक्ट के अनुसार 12 से 15 साल तक के किशोर अधिकतम 3 घंटें प्रतिदिन कार्य कर सकते थे। अध्यादेश में इसे बढ़ाकर 14 से 18 वर्ष तक कर दिया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान—

मुख्यमंत्री शर्मा ने राजस्थान कारखाना (संशोधन) नियम 2025 का भी अनुमोदन किया है। इसके अन्तर्गत विशिष्ट प्रकृति के कारखानों में महिलाओं के नियोजन को स्वीकृति प्रदान की गई है। साथ ही, इनमें कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और निजता के अधिकार के संबंध में विशेष प्रावधान भी जोड़े गए है। नए नियमों के अनुसार कारखाना स्थल पर गर्भवती और धात्री महिला के अतिरिक्त अन्य महिलाएं कार्य कर सकेगी। लेकिन नियोक्ताओं को ऐसी महिलाओं के लिए श्वसन तंत्र सुरक्षा, फेस शील्ड, हीट शील्ड, मास्क, ग्लब्स आदि व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होंगी। साथ ही, कार्यस्थल पर वायु गुणवत्ता के साथ सभी श्रमिकों को सुरक्षा प्रशिक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार से प्राप्त कंप्लायंस रिडक्शन एंड डिरेगुलेशन डॉकेट की पालना में राज्य सरकार ने उपरोक्त संशोधन किए है। इसके अन्तर्गत प्रमुख रूप से श्रमिकों के लिए कार्य करने की सीमा को बढ़ाने के साथ ही महिला श्रमिकों की खतरनाक प्रकृति के कार्यों में लागू प्रतिबंध को समाप्त किया गया है।

गहलोत अपनी पार्टी के इतिहास में झांककर देखें - मदन राठौड़

-भाजपा संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध- मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा ने हमेशा संविधान की रक्षा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब पहली बार संसद पहुंचे थे, तो उन्होंने संसद की सीढ़ियों पर प्रणाम किया और शपथ ग्रहण से पूर्व संविधान की प्रति को अपने मस्तक पर लगाया। यह भाजपा की संविधान के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। वहीं कांग्रेसी नेताओं को संविधान की रक्षा पर भाषण देने से पहले अपने इतिहास में झांककर देखना चाहिए। कांग्रेस ने बार-बार संविधान की अवहेलना की है। राठौड़ ने कहा कि शाहबानो प्रकरण में जब सुप्रीम कोर्ट ने एक मुस्लिम महिला को न्याय दिलाया था, तब कांग्रेस सरकार ने संविधान में संशोधन कर उस निर्णय को पलट दिया। यह संविधान की भावना की हत्या थी। कांग्रेस ने देश में एक बार नहीं, 50 बार जनता द्वारा चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया, जो लोकतंत्र और

संविधान दोनों के साथ खिलवाड़ था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि 1975 की इमरजेंसी के दौरान कांग्रेस ने पूरे देश में संविधान को ताक पर रख दिया था, नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई थी और विरोध की आवाज़ को दबा दिया जाता था और गहलोत आज संविधान की दुहाई दे रहे हैं, शेष पृष्ठ 2 पर....

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन बैन

-क्यों दिए जाते हैं हलाल सर्टिफिकेशन
-कौन-सी कंपनियां देती हैं यह सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हलाल सर्टिफिकेशन (Halal Certification) पर दिए बयान से एक बार फिर से यह सर्टिफिकेट सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल उत्पाद की खरीद से मिलने वाले रुपये से धर्मांतरण, लव जिहाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। यूपी सरकार ने प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन को प्रतिबंधित किया हुआ है। यूपी सरकार का आरोप है कि हलाल सर्टिफिकेट जारी करने वाली संस्थाएं ऐसे प्रोडक्ट्स पर भी हलाल सर्टिफिकेट दे रही हैं, जिनमें इसकी जरूरत नहीं है. मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि जांच से पता चला है कि हलाल सर्टिफिकेशन (CM Yogi on Halal Certification)

के नाम पर हर साल करीब 25000 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन होता था, जबकि इसकी किसी सरकारी एजेंसी से कोई मान्यता नहीं थी। हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर मचे इस बवाल के बीच सवाल यह है कि आखिर हलाल प्रोडक्ट्स और हलाल सर्टिफिकेशन क्या होता है, साथ ही भारत में हलाल सर्टिफिकेट कौन-सी कंपनी जारी करती है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

मीणा समाज के लोगों की बैठक हुई आयोजित

-बैठक में समारोह को लेकर किया पोस्टर का विमोचन

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत किशनपुरा स्थित मीणा के

मोहल्ले में शनिवार को राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ चौमूं के कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में 26 अक्टूबर को चौमूं में नवनिर्मित सभा भवन का लोकार्पण समारोह एवं भूमि दानदाताओं कि मूर्ति अनावरण कार्यक्रम को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम में मीणा समाज के लोगों ने समारोह के पोस्टर का विमोचन किया कार्यक्रम के दौरान मीणा समाज के लोगों ने ग्राम किशनपुरा, नांगल-गोविंद, गुड़लिया, रणजीतपुरा, छोटा गुडा, आलीसर, डोला का बास आदि गांवों में जाकर समाज के लोगों से जनसंपर्क कर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ तहसील चौमूं के कोषाध्यक्ष मुकेश बागड़ी एवं शेष मानुतवाल सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अर्जुन मीणा, ओमप्रकाश मीणा, रिछपाल मीणा, बनवारी मीणा, मुकेश मीणा, महावीर मीणा, सुखदेव मीणा, ओम मीणा, गोपाल मीणा, बाबूलाल मीणा, सीताराम मीणा, कन्हैयालाल मीणा, डॉ. विकास सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

ए एम पी (AMP) के नेशनल प्रेसीडेंट आमिर इदरीसी का सवाई माधोपुर दौरा

-तालीमी व सोशल मसाइल पर हुई अहम बैठक

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) ग्रुप के नेशनल प्रेसीडेंट आमिर इदरीसी ने सवाई माधोपुर में के प्रोफेशनल्स, उलेमाओं व शिक्षाविदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक को संबोधित किया। यह कार्यक्रम रणथम्भौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित किया गया, जिसमें जिलेभर से मुस्लिम समाज के प्रोफेसर, सामाजिक कार्यकर्ता और युवाओं ने शिरकत की। बैठक के दौरान आमिर इदरीसी ने कहा कि "हमारी संस्था मुस्लिम समाज के युवाओं को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। एएमपी द्वारा देशभर में विशेष कैंपों के माध्यम से बच्चों को करियर गाइडेंस, स्कॉलरशिप और रोजगार से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है।"

उन्होंने आगे कहा कि समाज में प्रोफेशनल्स को आगे आकर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करना चाहिए, ताकि हर बच्चा आत्मनिर्भर और शिक्षित बन सके। कार्यक्रम में QTA हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ सैयद बलीग अहमद,शहर काजी निसार उल्लाह,शहर काजी इरफान उल्लाह, मौलाना नोमान कासमी, मौलाना अबसार नदवी, प्रोफेसर मोहम्मद शाहिद जैदी, प्रोफेसर मोहम्मद शाकिर, प्रोफेसर मुसव्विर साहब, मोहम्मद काशिफ , मुमताज अहमद, अब्दुल लतीफ मंसूरी, आदि लोगों ने भी अपने सुझाव रखे।समाज की बेहतरी के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

जिला कांग्रेस कमेटी अभाव अभियोग प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित

-मीटिंग में बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। शनिवार 25 अक्टूबर को जिला कांग्रेस कमेटी आभाव अभियोग प्रकोष्ठ के बैनर तले शिव मंदिर बजरिया में मीटिंग आयोजित की गई। मीटिंग में जिले से कांग्रेस पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए। जिसमे प्रदेश एवं जिले की बिगड़ती कानून व्यवस्था, "वोट चोर गद्दी छोड़" पर विशेष रूप से वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता डॉ. सुमीत गर्ग ने कहा कि आज देश ओर प्रदेश तथा जिले की जनता त्राहि त्राहि कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार ने जनता को खून के आँसू बहाने पर मजबूर कर दिया है। देश का संविधान खतरे में है। सारे नियम कानून को ताक में रखकर निर्णय अपने चहेतों के पक्ष में किये जा रहे। वोट चोरी से बनी सरकार अपनी मनमानी करने पर उतारू है, जिसके लिए कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को संघर्ष करने के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस के सभी साथी आपसी सहयोग से जिले में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ संघर्ष करने के लिए तैयार रहे। आने वाले

समय में केंद्र सरकार जनता को महगाई से त्रस्त करने वाली है। मीटिंग की मुख्य अतिथि आभाव अभियोग प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेशाध्यक्ष योगिता शर्मा ने कहा कि जिले की समस्याओं का समाधान करवाने के लिए जिला स्तर पर मुहिम चलाकर प्रत्येक कार्यकर्ता को एकजुट रहकर कार्य करना है प्रदेश स्तर पर भी हमारा पूरा सहयोग मिलेगा। प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष कानजी मीना फौजी ने मीटिंग में आये हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। बैठक में पार्टी के इंटक कांगेस अध्यक्ष इंद्रजीत दुबे, एस सी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश पहाड़िया, एस टी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बंशी लाल मीणा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मंगल, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष के एम कावरिया, रामजीलाल बैरवा, आर पी मीना, शंकर लाल मीणा, सोनिका शर्मा, सुमन मीणा, संजय शर्मा, गफूर अहमद, दशरथ सिंह मीणा, मीडिया प्रभारी अजय शर्मा मौजूद रहे। मंच का संचालन महासचिव प्यारे लाल शर्मा ने किया। बैठक में दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हड्डियों और जोड़ों के दर्द से राहत की नई पहचान

-डॉ. राधेश्याम यादव बने मनोहरपुर के लोगों की पहली पसंद

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे लोगों के लिए अब राहत की बड़ी खबर,, मनोहरपुर में प्रसिद्ध हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. राधेश्याम यादव ने अपनी विशेषज्ञता और आधुनिक तकनीक से मरीजों को नई जिंदगी दी है। यहां पर हड्डियों और जोड़ों से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का सफल इलाज और सर्जरी की जाती है। हॉस्पिटल में मौजूद आधुनिक सुविधाएं और डॉक्टर की वर्षों की अनुभवयुक्त सेवा से अब मरीजों को बाहर बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं।

हॉस्पिटल में मिलने वाली प्रमुख सुविधाएँ-

सभी प्रकार के फ्रैक्चर का इलाज और ऑपरेशन,कमर, घुटने, गर्दन और कंधे के दर्द का आधुनिक इलाज,जॉइंट रिप्लेसमेंट व जॉइंट पेन मैनेजमेंट,क्लब फूट करेक्शन और बच्चों के पोलियो का इलाज, कटे हुए हाथ-पैर का ऑपरेशन और टूटी हड्डी को सही बैठाकर प्लास्टर लगाना, गठिया रोग, हड्डी में मवाद, कूल्हे की हड्डी का ऑपरेशन, स्लिप डिस्क, लकवा, जोड़ों व कंधों का जाम होना, मांसपेशियों का दर्द और खिंचाव, डॉ. यादव के निर्देशन में हॉस्पिटल में आधुनिक एक्स-रे, फिजियोथैरेपी, ट्रॉमा केयर यूनिट और पोस्ट-ऑपरेटिव रिहैबिलिटेशन जैसी उच्चस्तरीय सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। इलाज करवाने वाले मरीजों ने बताया कि यहां इलाज के साथ अपनापन और भरोसा दोनों मिलता है। डॉ. यादव हर मरीज को परिवार जैसा समझकर उपचार करते हैं।" लोगों

को मिला वास्तविक लाभ, कई गंभीर मरीज जिन्होंने वर्षों तक दर्द सहा, उन्होंने बताया कि डॉ. यादव के इलाज से अब वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और सामान्य जीवन जी रहे हैं। मनोहरपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के गांवों और कस्बों के मरीज भी अब यहां आकर सफल इलाज पा रहे हैं। इस दौरान डॉ. राधेश्याम यादव का हॉस्पिटल आज क्षेत्र में हड्डियों और जोड़ों के दर्द से राहत का भरोसेमंद केंद्र बन चुका है।

जाम हुआ बेलगाम, बस स्टैंड से बाजार तक वाहनों की लंबी कतारें

-पुलिस ने पसीना बहाकर खुलवाया रास्ता, व्यापारियों में आक्रोश

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे में त्योहारों की रौनक के बीच शनिवार को मनोहरपुर जाम की पर सीधा असर पड़ रहा है। कई बार सीएलजी मीटिंग और नगर पालिका बैठकों में बस स्टैंड से

समस्या से कराह उठा। जयपुर–शाहपुरा मार्ग, शाहपुरा–जयपुर रोड, मुख्य बाजार, बस स्टैंड से खोरा रोड तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घंटों तक यातायात पूरी तरह से जाम रहा, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। देखा गया है कि त्योहार पर खरीदारी करने और पूजा सामग्री लेने आए आसपास के गांवों व ढाणियों के लोग जैसे ही बाजार पहुंचे, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। इस बीच, मनोहरपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद जाम में फंसे वाहनों को बाहर निकलवाया और यातायात को सुचारू कराया। व्यापारियों का कहना है कि मनोहरपुर में आए दिन जाम लगना आम बात हो गई है। ग्राहकों को बाजार तक पहुंचने में दिक्कत होती है, जिससे व्यापार गांधी चौक तक सड़क चौड़ीकरण की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय विधायक मनीष यादव ने भी जाम की गंभीरता पर चिंता जताई थी और समाधान का आश्वासन दिया था, परंतु स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क चौड़ीकरण और ट्रैफिक प्रबंधन की ठोस योजना नहीं बनी, तो त्योहारों और बाजार के दिनों में मनोहरपुर शहर का जाम लोगों की रोज़मर्रा की मुसीबत बन जाएगा।

सलाह:- राहगीरों ने बताया कि जिन दुकानों पर सामान खरीदने के लिए जो ग्राहक आते है वो अपने साथ लाए हुए वाहनों को भी दुकान के सामने ही खड़े कर देते है जिससे जाम लगने की सम्भावना बढ़ जाती है। अगर व्यापारी उनके वाहनों को खुली जगह पर खड़ा करवाए तो जाम नही लगेगा।

काज़ी कौंसिल का हुआ आयोजन, मुस्लिम समाज में गैर शरई रस्में रोकने का आह्वान किया गया

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के पुराने शहर स्थित अंसारी मोहल्ले में 23 अक्टूबर, गुरुवार को सुबह 11 बजे से काज़ी कौंसिल का आयोजन किया गया। जिसकी सदारद (अध्यक्षता) शहर काजी मोहम्मद निसार उल्लाह ने की, काजी कौंसिल के सेकेट्री व शहर क़ाज़ी मोहम्मद इरफान उल्लाह ने प्रोग्राम का आगाज़ किया व प्रोग्राम की निजामत को अंजाम दिया। काज़ी कौंसिल का अहम मकसद समाज में फैल रही बुराइयां जैसे शादियों में नाच गाना, ढोल ताशे, बैंड बाजे, शराब खोरी, जुआं सट्टा व देर रात तक घरों के बाहर नौजवानों का आवारा घूमना इस सब पर पुरजोर तरीके से रोक लगाना है। यह कौंसिल मीटिंग 2 घंटे तक चली जिसमें सभी वक्ताओं ने अपने अपने

विचार दीनी व दुनियाई तालीम के हिसाब से रखे। इस मीटिंग में काजी कॉन्सिल के नायब सदर काजी अब्दुल करीम मलारना डूंगर, केशियर काजी सईदद्दीन खिरनी, वजीरपुर काजी, जिला वक्फ बोर्ड सदर असरार अहमद, अंजुमन सदर सैयद फारुख अली, मौलाना अबसार अहमद नदवी, रि. डॉ. अकरम खान,एडवोकेट अबुल कलाम हाशमी, अब्दुल सईद रि. सहायक कोषाधिकारी, ईदगाह सदर मास्टर असलम, हाफिज राशिद, मोहम्मद काशिफ, एडवोकेट इकबाल हाशमी, एडवोकेट नोमान हाशमी अन्य शहर के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री ने चौमूं बाईपास पर रोडवेज व निजी बसों का किया औचक निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा और यातायात की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. बैरवा ने शनिवार को सीकर प्रवास से जयपुर लौटते समय चौमूं बायपास पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बसों तथा दो निजी स्लीपर बसों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बसों में पाई गई कुछ तकनीकी एवं संचालन संबंधी कमियों की जानकारी चालक एवं परिचालक को दी गई तथा उन्हें तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। उन्होंने

संबंधित विभागीय अधिकारियों को बसों का नियमित निरीक्षण करने और सुरक्षा मानकों की सख्ती से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में जैसलमेर जैसी किसी दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो। डॉ. बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार जनता की सुविधा, सुरक्षित यात्रा एवं सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि सड़क परिवहन सेवाएं आधुनिक, सुरक्षित और जनहितकारी बनें।

सवाई माधोपुर के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार केन्द्र की स्मार्ट सिटी योजना की तर्ज पर- कलक्टर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा, सम्पर्क पोर्टल, जिला स्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण सहित आवश्यक सेवाओं, बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा विभाग की साप्ताहिक समीक्षा बैठक जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने बैठक में बजट घोषणा-2025-26 की विभागवार प्रगति समीक्षा करते हुए विद्युत विभाग, वन विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारियों को योजनाओं को शीघ्र धरातल पर उतारने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने खाद्य पदार्थो में मिलावट की रोकथाम हेतु अभियान चलाकर कड़ी निगरानी रखने और मिलावट खोरों के फूड लाईसेंस निरस्त कर उचित कार्रवाही सुनिश्चित करने के निर्देश सीएमएचओं डॉ. अनिल कुमार जैमिनी को दिए। इसके साथ ही उन्होंने बजट घोषणा के अन्तर्गत चकचैनपुरा हवाई पट्टी का विस्तारीकरण कार्य हेतु अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी से आवश्यक जानकारी प्राप्त कर दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए केन्द्र की स्मार्ट सिटी योजना की तर्ज पर सवाई माधोपुर के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार कर नागरिकों के जीवन को बेहतर और खुशहाल बनाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने उप निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह से कुशाल झील गंगापुर सिटी, गंगापुर सिटी में खेल स्टेडियम निर्माण, शिवाड़ मंदिर, रामेश्वरम, त्रिनेत्र गणेश मंदिर आदि को पर्यटन की दृष्टि से बेहतर बनाने हेतु किए गए कार्यो की जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण कर पेडेन्सी शून्य करने, मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों की कड़ाई से पालना करने, जिला स्तरीय जनसुनवाई के सहित अन्य जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले प्रकरणों को गम्भीरता से लेकर यथा संभव मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर 60 दिन से अधिक के लंबित प्रकरणों का शत-प्रतिशत संतुष्टिपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने राज्य स्तर पर अन्तर विभागीय लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों से विभागवार चर्चा कर जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षा विभाग एवं आईसीडीएस विभाग के अधिकारियों को आगामी डीएमएफटी मीटिंग के संबंध में प्रपोजल तैयार कर 28 अक्टूबर तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया को भिजवाने के निर्देश भी दिए है। उन्होंने माय भारत केंद्र के जिला युवा अधिकारी हर्षित खंडेलवाल से सरदार पटेल की 150 जयंती के अवसर पर जिले में होने वाली दो पदयात्राओं के बारे में जानकारी लेकर पद यात्रा में स्थानीय युवाओं, एनसीसी, एनएसएस, भारत स्काउट गाइड के स्वयं सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता आदि की सहभागिता सुनिश्चित करने, सहभागियों हेतु विभिन्न विभागो जैसे कि पुलिस, मेडिकल, पीडब्ल्यूडी, नगरपरिषद, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क आदि को पदयात्राओं के सफल आयोजन हेतु अपनी तैयारी दुरुस्त रखने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने संबंधित विभागों को प्रतिभागी युवाओं के माय भारत पोर्टल पर पदयात्रा इवेंट में रजिस्ट्रेशन हेतु भी आदेशित किया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, सहायक निदेशक लोक सेवाएं डॉ. डिम्पल गुर्जर, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बीएल मीना, संयुक्त निदेशक डीओआईटी पंकज मीना, संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार राकेश कुमार अटल, जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चिंताएं टल जाती हैं

पल पल की खबरें पल में मिल जाती हैं
बे अक्लों को भी अकलें मिल जाती हैं
छू लेने भर से कलियां खिल जाती हैं
माशूक बिना भी रातें तो ढल जाती हैं
बंदा परवर कुछ तो रहम कर मुझ पर
तेरी सर्द मेहरी से खुशियां जल जाती हैं
कैसे कह दूं तेरी बातों में झोल नहीं
फिर भी दिल की चिंताएं टल जाती हैं
आहिस्ता आहिस्ता दिल ने माना है
रफ्ता रफ्ता तन्हा रातें ढल जाती हैं
सच कहा था मुर्शिद ने कि पानी में
मोटी लकड़ी यादों की गल जाती हैं

-फ़ज़लुर्रहमान

पृष्ठ एक का शेष....

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन बैन........

क्या होते हैं हलाल प्रोडक्ट्स-

हलाल प्रोडक्ट से मतलब है कि ऐसी वस्तु जो इस्लामिक कानून या शरिया के अनुसार ग्रहण करने योग्य हो। खाद्य पदार्थों के अलावा, ब्यूटी प्रोडक्ट्स और दवा समेत कई प्रकार की वस्तुओं को हलाल उत्पाद के दायरे में रखा जाता है। उर्दू में हलाल का मतलब 'जायज' होता है। आमतौर पर हलाल का इस्तेमाल मांस को लेकर किया जाता है।

क्या है हलाल सर्टिफिकेशन-

हलाल सर्टिफिकेशन यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद इस्लामी सिद्धांतों के अनुरूप तैयार और प्रोसेस्ड किया गया है। वह वस्तु सूअर के मांस और शराब जैसे निषेध घटकों से मुक्त है, और ऐसी अशुद्ध वस्तुओं के संपर्क में नहीं आई है। ऐसे में सामानों के निर्माण से लेकर स्टोरेज तक के पूरे प्रोडक्शन प्रोसेस में इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार साफ किए गए बर्तनों और उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए। वहीं, मांस के संदर्भ में हलाल से मतलब है कि जानवर को एक विशिष्ट तरीके से काटा जाना चाहिए, ना कि झटके से। काटते समय जानवर जीवित और स्वस्थ होना चाहिए। हलाल सर्टिफिकेशन इस बात की गारंटी देता है कि कोई प्रोडक्ट ऊपर बताए गए स्टैंडर्ड पर खरा उतरा है। हालांकि, यह सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, लेकिन कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए या मुस्लिम उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए इसकी मांग करती हैं।

प्रोडक्ट पर कहां होता है हलाल सर्टिफिकेशन मार्क-

हलाल सर्टिफाइड मार्क, प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग पर अंकित होता है। यह आगे, पीछे या साइड में कहीं भी एक मार्क के साथ अंकित होता है ताकि यह स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके कि प्रोडक्ट हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप है।

कौन जारी करता है हलाल सर्टिफिकेशन-

भारत में हलाल सर्टिफिकेट, सरकार जारी नहीं करती है, बल्कि ये कुछ प्राइवेट कंपनियों और इस्लामिक संस्थाओं द्वारा जारी किए जाते हैं। इनमें हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमीयत उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट, जमीयत उलेमा ए महाराष्ट्र और भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) शामिल है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इससे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

गहलोत अपनी पार्टी के इतिहास में.......

तो उन्हें पहले अपने दल के काले इतिहास को याद करना चाहिए, जिन्होंने संविधान को बार-बार रौंदा, वे आज संविधान के रक्षक बनने का नाटक कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश संविधान के आदर्शों पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से आगे बढ़ रहा है। भाजपा संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का संविधान के प्रति वास्तविक रवैया तो उस समय सबके सामने आया जब राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान 2013 में संसद के अंदर एक महत्वपूर्ण अध्यादेश को फाड़ दिया था। यह घटना लोकतंत्र के मंदिर संसद का अपमान थी और यह दिखाती है कि कांग्रेस नेतृत्व के लिए संविधान, संसद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का कोई सम्मान नहीं है।

अलीमुद्दीन कुरैशी की अगुवाई में कुरैश कॉन्फ्रेंस ने उठाई आवाज

-ओबीसी सूची में 'कुरैशी' शब्द जोड़ने की मांग पर आयोग अध्यक्ष गंभीर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में कुरैश बिरादरी को ओबीसी सूची में शामिल करने की पुरानी मांग को लेकर कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजि०) का प्रतिनिधि मंडल राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरपर्सन मदन लाल भाटी से मिला। इस प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई अलीमुद्दीन कुरैशी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजि०), राजस्थान ने की। उनके साथ मोहम्मद इरफान कुरैशी (उपाध्यक्ष), साजिद कुरैशी और इस्माइल कुरैशी मौजूद रहे। यह पूरी पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोवर एडवोकेट के मार्ग-दर्शन और नेतृत्व में की गई, जिनके निर्देशन में संगठन लगातार समाज के अधिकारों के लिए आवाज उठा रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने 'कुरैशी' शब्द को राज्य की अधिकृत सूची में जोड़ने की मांग को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा और आग्रह किया कि 'कुरैशी' बिरादरी को समान अवसर व सामाजिक न्याय मिले, इसके लिए सरकार शीघ्र निर्णय ले। चेयरपर्सन मदन लाल भाटी ने प्रतिनिधि मंडल की बात को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना और आश्वासन दिया कि आयोग इस विषय पर विधिक व सामाजिक पहलुओं पर अध्ययन कर उचित कार्यवाही करेगा। अलीमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि कुरैश बिरादरी लंबे समय से समान अधिकारों और न्याय की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने चेयरपर्सन भाटी का आभार जताते हुए कहा कि आयोग की यह सकारात्मक प्रतिक्रिया समाज के विश्वास को और मजबूत करेगी। अलीमुद्दीन कुरैशी ने बताया कि कुरैशी समाज के लोगों को ओबीसी सर्टिफिकेट बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि राज्य की ओबीसी सूची में कुरैश शब्द जुड़ जाए तो समाज के लोगों को काफी आसानी हो जाएगी।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

-टाइगर-लायन सफारी बनी मुख्य आकर्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान (नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क) में रविवार 26 अक्टूबर को पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई। छुट्टी का दिन और सुहावना मौसम होने के कारण पार्क में 2200 से अधिक सैलानी वन्यजीवों का दीदार करने पहुंचे। इस दौरान पार्क में संचालित टाइगर सफारी और लायन सफारी पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी रहीं। सहायक वन संरक्षक (ACF) देवेंद्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को कुल 2208 पर्यटकों ने जैविक उद्यान का भ्रमण किया। इनमें से 217 पर्यटकों ने विशेष रूप से टाइगर और लायन सफारी का रोमांचक अनुभव लिया। पर्यटकों ने बाघों की गर्जना और शेरों के शाही अंदाज को करीब से देखकर बेहद उत्साह जताया। पार्क में पर्यटकों की भारी आमद को देखते हुए वन विभाग की टीम ने भी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखा। मुख्य वन संरक्षक डॉ. टी. मोहनराज के निर्देशन में डीसीएफ विजयपाल सिंह और एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ ने खुद सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रेंज अधिकारी जितेन्द्र सिंह शेखावत एवं शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम ने भीड़ नियंत्रण, टिकटिंग और वाहनों के संचालन को सुचारू रूप से संभाला। अधिकारियों के अनुसार, पार्क में संचालित लेपर्ड, टाइगर और लायन सफारी, तीनों ही जयपुरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए शहर के बीच में रोमांच का अनुभव करने का एक बड़ा केंद्र बन गई हैं।

धाबाई जी का खुर्रा में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा

-मकान में घुसकर की गई 35 लाख के जैवरो की चोरी की वारदात का खुलासा
-पुलिस ने कार्यवाही कर एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा आईपीएस ने बताया कि जयपुर उत्तर के थाना क्षेत्र मे चोरी, नकबजनी, लूट तथा वाहन चोरी की वारदातो मे शामिल अपराधियो की धरपकड व गिरफ्तारी हेतु सभी थानाधिकारियो को सादा वस्त्रो मे विशेष निगरानी दल गठित कर सतत निगरानी व आसूचना संकलन हेतु निर्देशित किया था। इसी अनुक्रम मे थाना माणकचौक में गठित निगरानी दल द्वारा थाना माणकचौक के क्षेत्र मे हुई नकबजनी की घटना का मौका मुआयना कर घटना के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे व अपराधियो के आने जाने के रास्तो पर निगरानी कर ईलाके मे हुई नकबजनी के आस पास के सीसीटीवी कैमरो को दिन-रात अथक प्रयास कर आसूचना संकलन कर वारदात करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है।

घटना का विवरण-

14 अक्टूबर 2025 को थाना माणकचौक पर परिवादी शेखर शुक्ला S/O मन मोहन शुक्ला उम्र 55 वर्ष जाति ब्राह्मण निवासी म.न. 105 ब्रह्मा मार्ग धाभाई जी का खुर्रा PS माणक चौक जयपुर ने दर्ज कराया कि दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को सांय 7.30 बजे मे कार्यालय से घर लौटा और कपडे बदलने के लिये द्वितिय तल पर अपने रुप में जाना चाहा तो सिड्डियो का गेट अन्दर से बन्द पाया तो मे दुसरे गेट उपर गया तो पाया कमरे का गेट खुला पाया और गोदरेज की अलमारी खुली पायी और सामने बाथरुम की खिडकी टूटी पडी थी। गोदरेज की अलमारी देखने पर पाया कि उसमे रखा सोने का सारा सामान नहीं था। जिसमे एक सोने का हार, चार सोने की चूडिया, दो सोने के कडे, एक सोने की चैन और एक अंगुठी थी। 30 ग्राम सोने का टुकडा और 25000/- नकद थे कुल लगभग 25 तोला सोना (250GM) था इसके अलावा भी कोई सामान होगा तो मैं तसल्ली से देखकर बताऊंगा। वारदात के समय मेरे घरवाले (मम्मी एव पत्नि) प्रथम तल पर रसोई घर मे थी। आदि रिपोर्ट पर अभियोग दर्ज कर अनुसंधान व माल मुल्जिमान की तलाश शुरु की गई।

गठन पुलिस टीम-

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम डा. दुर्ग सिंह राजपुरोहित, सहायक पुलिस आयुक्त माणकचौक पीयुष कविया आरपीएस के निर्देशन मे व राकेश ख्यालिया थानाधिकारी पुलिस थाना माणकचौक जयपुर उत्तर के नेतृत्व मे वृत्त माणकचौक की टीम का गठन किया जाकर घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज चैक कर आसुचना संकलन कर मुखबीर खास की सूचना पर नकबजनी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण हाजा का माल मशरुका को बरामद करने में सफलता हासिल की।

घटना विवरण-

मुल्जिम रेहान नशे का आदि है तथा अपने नशे की पूर्ति के लिए इस तरह कि वारदात करता है। वारदात करने से पूर्व मुल्जिम ने मकान की रैकी की तथा मौका पाकर मकान की खिडकी तोडकर मकान के अन्दर घुस गया तथा मकान में प्रवेश के अन्य रास्तो को बंद कर दिये। इसके बाद मकान में रखे कीमती सामान व ज्वैलरी को अपने साथ समेट कर मौके से फरार हो गया तथा एक स्थान पर चोरी के सामान को छुपा दिया एवं पुलिस से बचने के लिए इधर उधर घुमता रहा।

पुलिस कार्यवाही-

घटना होने के तुरन्त बाद पुलिस टीम का गठन किया जाकर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरो की जांच की गई तथा अपराधी की पहचान हेतु लगभग 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरो को चैक कर अपराधी को चिन्हित किया गया तथा गहन अनुसंधान किया गया। अपराधी के बारे मे सटीक व सही जानकारी हेतु मुखबीर खास मामुर किए गए तथा सादावस्त्रो मे पुलिस टीमो का गठन किया गया। कानि. राहुल न 8281 को प्राप्त आसूचना पर मुल्जिम को गिरफ्तार कर प्रकरण हाजा का माल मशरुका बरामद करने में सफलता प्राप्त की गई।

सुन्नी दावते इस्लामी का एक दिवसीय इज्तेमा आयोजित

-पैग़म्बर मोहम्मद स. अ. की सीरत से मिली रहनुमाई — नशा छोड़ो, इल्म अपनाओ का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगढ़ मोड़ स्थित करबला मैदान में सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से एक दिवसीय भव्य इज्तेमा का आयोजन किया गया, जहां हजारों की तादाद में अकीदतमंदों की मौजूदगी ने मैदान को रोशन कर दिया। कार्यक्रम में इस्लामी विद्वानों ने पैगम्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत-ए-तय्यबा पर रोशनी डाली — बताया कि इस्लाम ने 1400 साल पहले ही 'बालिकाओं की शिक्षा' को जरूरी करार दिया था। उलेमाओं ने कहा — "औरत का इल्म नस्लों को रौशन करता है, इसलिए हर बेटी को पढ़ाओ, हर बहन को सिखाओ।" साथ ही नशे के खिलाफ भी बुलंद आवाज़ उठाई गई। मंच से साफ संदेश दिया गया — "नशा हराम है, नशा तबाही है — इसे छोड़ो, और समाज को बचाओ।" कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर इल्म और अमन का रास्ता अपनाना ही असली इस्लामी तालीम है। जहां सुन्नी दावते इस्लामी ने समाज को एक बार फिर नसीहत दी — 'पढ़ो, समझो और नशे से रहो दूर।'"

एटीएम मशीन में छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से रूपये निकालने वाली गैंग का मास्टर माईण्ड अक्षय मीणा उर्फ गुड्डु गिरफ्तार

-वारदात में प्रयुक्त एक थार कार व प्रयुक्त औजार जप्त, सोशल मीडिया व युटयूब आदि पर एटीएम मशीन से सम्बन्धित विडियो देखकर वारदातों को दिया अंजाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 17 अक्टूबर 2025 को परिवादी अभिषेक गुप्ता शाखा प्रबन्धक एसबीआई बैंक आमेर रोड जयपुर द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि आज दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को हमारे बैंक में ग्राहको के द्वारा message आये व शिकायत प्राप्त हुई कि जलमहल पर लगा ATM जिसको हैंग कर व छेडखानी कर टैप चिपका कर MASTER चाबी से छेडछाड कर पैसे निकाल रहे है।

गठन पुलिस टीम का विवरण-

जयपुर शहर में एटीएम से हो रही विभिन्न तरह की वारदातो मे अपराधियो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ आई.पी.एस. एंव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध जयपुर शहर मनीष अग्रवाल आई.पी.एस द्वारा जयपुर आयुक्तालय के समस्त थानाधिकारियो को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। श्रीमान के निर्देशो की पालना में दुर्ग सिंह राजपुरोहित आरपीएस अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन में एंव भोपाल सिंह भाटी आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त आमेर जयपुर उत्तर के निर्देशन में राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व मे इन्द्राज सिंह सहायक उप निरीक्षक, कानि प्रदीप न. 9209, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि नफेसिंह न. 6038, कानि रतिराम न. 9200 की टीम गठित की गई। जिनके द्वारा पुलिस थाना आमेर के कानि प्रदीप न. 10797, कानि मनीष न. 8906, गिरधारी कानि. 9759 रमेश कानि.न. 12313 के सहयोग व तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर अक्षय मीना उर्फ गुड्डु, ईशु मीणा, चित्रांश मीणा, राहुल मीणा को गिरफ्तार किया गया है।

मुल्जिमान से बरामद माल का विवरण-

मुल्जिमान के कब्जे एटीएम पर लगाने मे काम में लिये गये औजार व मास्टर चावी जप्त गई है तथा वारदात में परिवहन मे प्रयुक्त एक कार थार नम्बर RJ-02-CJ-4683 जप्त की गई है। मुल्जिमान के कब्जे से दो मोबाईल फोन तथा 13100/- रूपये बरामद किये गये है।

थाना ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस ने अवैध रूप से गांजा बेचते महिला को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार महिला के कब्जे से 360 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा व बिकी राशि 2,350 रूपये किये जप्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पूर्वः संजीव नैन (IPS), पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व, ने जानकारी देते हुये बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर के निर्देशअनुसार जिला जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करो व बेचने वालो वह नशा करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत समस्त थानाधिकारियों को अधिक से अधिक कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये जिस पर कार्यवाही करने हेतू अरूण कुमार (पु.नि.) पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जिला जयपुर पूर्व व पृहलाद नारायण (पु.नि.) पुलिस थाना जामड़ोली जयपुर पूर्व एवं बन्ना लाल (उ.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व के संयुक्त नेतृत्व में जिला विशेष टीम व पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर एवं पुलिस थाना जामड़ोली की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों व गांजा सप्लाई करने व बेचने वालो के विरूद्ध आंसूचना संकलन कर सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुऐ अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचने वाले के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ईलाके में कार्यवाही करते हुये महिला लक्ष्मी सांसी पत्नी स्व. मंगलु सांसी उम्र 33 साल जाति-सांसी को गिरफ्तार कर आरोपी से अवैध मादक पदार्थ गांजा 360 ग्राम बिकी राशि 2,350 रूपये जप्त किये गये। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मुकदमा नं. 250/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। पुलिस थाना जामड़ोली ईलाके में दुसरी कार्यवाही करते हुये आरोपी रवि कुमार साहू पुत्र पृहलाद साहू उम्र 30 साल जाति-तेली निवासी तम्बाकू का पाड़ा तहसील के पीछे लालसोट पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा हाल मकान नं. एफ-1095 जेडीए क्वार्टर मीना पाड़ली पुलिस थाना जामड़ोली जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 427 ग्राम जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना जामड़ोली में मुकदमा नं. 369/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी रवि कुमार साहू ने पूछताछ में बताया कि में स्वंय भी गांजा पीता हू में यह गांजा बाहर से लेकर आया था। में गांजा को जयपुर लाकर छोटी-छोटी पूड़िया बनाकर 100 व 200 रूपये के हिसाब से बेचता हू जिससे मेरा घर का खर्चा निकल जाता है। और में स्वंय भी गांजा पीता हू मुझे यहा काम करते पाँच महिने से ज्यादा समय हो गया। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर पर अनुसंधान हेतू पूछताछ जारी।

कॉमरेड प्रेम जी वरिष्ठ श्रमिक नेता का निधन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कॉमरेड प्रेम जी वरिष्ठ श्रमिक नेता का मंगलवार 21 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया। उनका दाह संस्कार बुधवार 22 अक्टूबर 2025 को चांदपोल बाज़ार, जयपुर स्थित श्मशान घाट पर किया गया। कॉमरेड प्रेम जी एक सरल, सौम्य एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित कर्मठ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जननेता थे। उनके परिवार में पत्नी श्रीमती देवकी, पुत्र नरेंद्र वर्मा (अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जयपुर), पुत्री-जमाई श्रीमती अंजु वर्मा (आरएएस, जयपुर) एवं वीरेन्द्र सिंह, पुत्री-जमाई श्रीमती मंजू वर्मा (ए.पी.ओ.)। उनके निधन का समाचार सुन समस्त भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी परिवार बहुत दुखी हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे एवं उनके परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

गोविन्द गुप्ता बने राजस्थान ACB के नए महानिदेशक

-पदभार संभालते ही कहा- 'भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, निर्दोष पर आंच नहीं, दोषी बख्शा नहीं जाएगा'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोविन्द गुप्ता ने सोमवार 27 अक्टूबर को झालाना डूंगरी स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय में महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। मुख्यालय पहुँचने पर अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। पदभार संभालने के बाद गुप्ता ने ब्यूरो की टीम को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की मंशा स्पष्ट कर दी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम किया जाएगा और आमजन के विश्वास को मज़बूत करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने "पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और टीम भावना" को ब्यूरो की सबसे बड़ी शक्ति बताया। महानिदेशक ने सूचना तंत्र को प्रभावी बनाने और जन-जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्यूरो की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 और व्हाट्सएप नंबर 94135-02834 का व्यापक प्रचार किया जाएगा, ताकि लोग आसानी से शिकायतें दर्ज करा सकें। गुप्ता ने स्पष्ट किया, "हम सुनिश्चित करेंगे कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो, साथ ही भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने प्रदेशवासियों से भ्रष्टाचार के खिलाफ इस जनआंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025: बालदड़ा में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में जनसंपर्क किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बालदड़ा में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में जनसंपर्क किया गया। जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्र के आमजन से भाजपा के पक्ष में मतदान करने और भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा, किशनगंज–शाहबाद विधायक डॉ. ललित मीणा, अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो, अंता प्रधान प्रखर कौशल, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब खान, अल्पसंख्यक मोर्चा बारां जिला अध्यक्ष मकसूद अहमद, मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री हुसैन पठान, जावेद खान सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'एकता मार्च' का होगा आयोजन

-31 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे गांधी सर्किल से शुरू होगी पदयात्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 31 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे जयपुर के गांधी सर्किल से एकता मार्च का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। पवन ने बताया कि एकता मार्च का मार्ग जयपुर के गांधी सर्किल से बिड़ला मंदिर, रामबाग, अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति तक रहेगा। उन्होंने बताया कि इस पदयात्रा में विशिष्टजन, प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एनएसएस, एनसीसी, युवा लीडर, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ, राजकीय कार्मिकों सहित बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे। पवन सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में एकता मार्च कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने एकता मार्च में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रशासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

Scan Here

-संपादक

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

प्रदेश में अपराधी बना रहे हैं भय का माहौल

राजस्थान में आए दिन चोरी, डकैती, मर्डर, एटीएम लूट, चैन तोड़ी, हत्या करने, बलात्कार, जमीनों पर अतिक्रमण, दलितों पर अत्याचार, महिलाओं के साथ छेड़खानी, ठगी, नशा तस्करी आदि की खबरें पढ़ने को मिल रही हैं । ऐसा लगने लगा है कि अपराधियों को सरकार और पुलिस का कोई भय नहीं है । प्रदेश में नशे की अवैध वस्तुओं की तस्करी के कारण निचले स्तर तक के लोगों को नशा आसान तरीके से मिल रहा है । नशा तस्करों का प्रदेश में जबरदस्त आतंक फैला हुआ है । नशे के अवैध कारोबार की शिकायत करने वाले लोगों को नशा तस्करों और नशा तस्करी में शामिल पुलिसकर्मियों द्वारा डराया धमकाया जाता है । यही कारण है कि नशे का अवैध कारोबार बड़ा होता जा रहा है । नशा युवाओं में फैशन बनता जा रहा है । यही युवा नशेड़ी बाद में अपराधी बन जाते हैं । पुलिस दिखावे के लिए नशेड़ियों और नशे की वस्तुएं तस्करी करने वाले आरोपियों पर कार्रवाई तो खूब करती है, फिर भी नशे की सप्लाई पर कोई रुकावट नहीं कर पाती है । इसी तरह प्रदेश में चोरी, डकैती और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं । अपराधियों में पुलिस और कानून का भय नाममात्र का दिखाई दे रहा है । पुलिस का भय सिर्फ शरीफ लोगों और ईमानदार जनता में ही दिखाई दे रहा है । अपराधी प्रवृत्ति के लोग पुलिस और कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखा रहे हैं । राजनीतिज्ञ, विधायक, मंत्री भी अपराधियों के पक्ष में थानों और सरकारी दफ्तर में सिफारिश करते नजर आते हैं । यही कारण है कि जनता में भय का माहौल बन गया है । करौली जिले में एक महिला के पैरों में चांदी के कड़ों को डकैत पैर काट कर ले गए और महिला को मरने के लिए छोड़ दिया । प्रदेश में प्राइवेट सवारी बसें नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं । इन्हीं बसों के जरिए नशे की वस्तुएं सोने चांदी की अवैध ढुलाई एवं चोरी के सामान की आपूर्ति की जा रही है । अवैध विस्फोटक होने के कारण सवारी एसी बस में 25 लोग जलकर मर गए । ग्रामीण क्षेत्रों में कई दबंगों ने वाहनों से दलित और गरीब लोगों को कुचल कर मारने की कोशिश की। लेकिन सरकार और पुलिस की ओर से कोई इस तरह की कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है, जिससे अपराधी अपराध करने के बाद सोचे कि वह अपराध कभी नहीं करेगा और दूसरे भी अपराध करने से पहले सोचें कि अपराध करना आसान नहीं है। अफगानिस्तान, सऊदी अरब, ईरान आदि देशों में चोरी, बलात्कार और अन्य प्रकार के अपराध काफी कम सामने आते हैं, क्योंकि वहां अपराधियों में कानून और सुरक्षा बलों का भय स्पष्ट दिखाई देता है अपराध करने से पहले अपराधी सौ बार सोचता है। लेकिन यहां अपराधी सोचते हैं कि पकड़े जाने पर भी वह कुछ दिनों बाद आसानी से छूट जाएंगे । यही कारण है कि देश में विभिन्न तरह के अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है। वैसे राजस्थान सरकार ने अपराध रोकने के लिए कई बार बयानबाजी की है, लेकिन उसका अपराधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। सरकार ने पुलिस महकमें के पुलिस अधिकारियों के बड़ी संख्या में तबादले भी किए हैं । अब देखना है कि प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण किया जा सकेगा या फिर पहले जैसे ही अपराधों की खबरें पढ़ने को मिलती रहेंगी।

भाजपा सरकारों को मुसलमानों से इतनी नफरत क्यों है ?

हैरानी की बात है कि तालिबान को आतंकवादी कहने वाले भाजपाई उनके सम्मान में तो पलक पावड़े बिछाते हैं और अपने ही देश के मुसलमानों से नफरत करते हैं

हैरानी की बात है तालिबान को आतंकवादी कहने वाले भाजपाई उनके सम्मान में तो पलक पावड़े बिछाते हैं और अपने ही देश के मुसलमानों से नफरत करते हैं । भाजपा की जितनी भी राज्य सरकारें हैं उनका रवैया हमेशा नफरत भरा होता है । भाजपा का कोई भी नेता जब भी मुंह खोलता है तो उसके मुंह से हमेशा मुसलमानों के लिए नफरत ही निकलती है । जबकि जिस अफगानिस्तान के तालिबान को ये आतंकवादी कहते नहीं थकते थे, जब वहां के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत आए तो उनके सम्मान में पलक पावड़े बिछा डाले। यही है विदेश नीति में विदेश का हित सबसे ऊपर होता है और उसके लिए यदि तालिबान का सम्मान करना जरूरी है तो ठीक है । लेकिन आखिर देश के मुसलमानों से इतनी नफरत क्यों है ? जबकि वे भी देश के नागरिक हैं और उनके भी इतने ही बराबर के नागरिक अधिकार हैं जितने कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के हैं। फिर उनके संवैधानिक अधिकारों पर भाजपा की सरकारें हमला क्यों करती हैं । भाजपा सरकारों के कुछ रवैयों का विश्लेषण करेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि इनको मुसलमानों से कितनी नफरत है। शुरुआत यूपी से करते हैं यूपी के मुख्यमंत्री जो खुद को संत मानते हैं और सनातन संस्कृति में भी माना जाता है कि जो सन्यास ग्रहण कर लेता है वह राज, द्वेष, नफरत, भेदभाव इन सबसे ऊपर उठ जाता है । लेकिन यूपी के मुख्यमंत्री जो खुद योगी कहलवाना पसंद करते हैं, लेकिन मामला जब मुसलमानों का होता है तो उनकी भाषा से उनकी नफरत साफ नजर आती है और अगर कहीं चुनाव हो रहे होते हैं तो प्रधानमंत्री से लेकर हर भाजपा का नेता सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलने का ही काम करते हैं। अभी पिछले दिनों बरेली और कुछ शहरों में मुस्लिम युवाओं ने "आई लव मोहम्मद" के पोस्टर चिपका दिए तो उनके खिलाफ केस दर्ज हुए । उनकी गिरफ्तारियां हुई और बरेली में तो हद कर दी सैंकड़ों मुसलमानों को गिरफ्तार किया गया । इतना ही नहीं सार्वजनिक रूप से उनको अपमानित करते हुए उनकी परेड निकाली गई। सुप्रीम कोर्ट के सारे कानूनों का मजाक उड़ाते हुए सैंकड़ों घरों पर बुलडोजर चलाए गए। जबकि सुप्रीम कोर्ट घरों पर बुलडोजर चलाने के खिलाफ रोक लगा लगा चुका था। लेकिन योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कोई सम्मान नहीं किया और हैरानी की बात यह है कि इस जुल्म के सारे वीडियो सोशल मीडिया में चलते रहे और देश का सुप्रीम कोर्ट खामोश रहा और अब भी खामोश है । उसमें अपने ही निर्णयों के खिलाफ कोई स्वत: संज्ञान नहीं लिया। इतना ही नहीं बरेली कांड के बाद यूपी के मुख्यमंत्री ने जिस भाषा का प्रयोग किया था वह एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की भाषा नहीं थी । कोई भी व्यक्ति जब मुख्यमंत्री के पद की शपथ

लेता है तो स्पष्ट शपथ लेता है कि वह राज्य के प्रत्येक नागरिक के साथ समानता का व्यवहार करेगा । किसी के साथ भी धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। लेकिन यूपी के मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंचों से भाषण देते रहे कि उन्होंने मुसलमानों की गर्मी निकाल दी है, उनकी डेंटिंग पेंटिंग कर दी है। उनको ऐसे जगह भेज देंगे कि उनकी सात पीढ़ियां भी अपने-अपने अधिकारों और जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं करेंगे। हैरानी इस बात की है कि ऐसी गैर-संवैधानिक भाषा बोलने के बाद भी राज्यपाल ने कोई कार्रवाई नहीं की, देश के प्रधानमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। देश के सुप्रीम कोर्ट ने कोई कार्रवाई नहीं की। अभी बिहार में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे भाजपा के नेताओं के भाषणों में मुसलमानों से नफरत के बहुत उदाहरण देखने को मिलेंगे । योगी जी ने शुरू भी कर दिया है । उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक रूप से बयान दिया है कि इंडिया गठबंधन के लोगों को बिहार विकास नहीं चाहिए। उनको तो बुर्का चाहिए। इस बयान के पीछे नफरत को आसानी से समझा जा सकता है । लेकिन शायद वे भूल गए कि मुस्लिम महिलाओं को बुर्का पहनने का अधिकार भी देश का संविधान ही देता है । योगी जी को ऐसा बयान देने से पहले देश के संविधान को पढ़ लेना चाहिए था। देश का संविधान देश के अल्पसंख्यक समुदाय को अधिकार देता है कि वे अपने धर्म की पालना कर सकते हैं, उसका प्रचार-प्रचार कर सकते हैं और बुर्का भी उसी अधिकार का हिस्सा है । हैरानी की बात है कि खुद योगी राजपूत समुदाय से आते हैं और उसे समुदाय में भी पर्दा-प्रथा थी और है। यूपी में तो हर भाजपा का नेता ऐसी ही भाषा बोल रहा है । अभी हाल की कैराना की सांसद चौधरी इकरा हसन जो निहायत सज्जन और पढ़ी-लिखी महिला हैं, उनके लिए कैराना के ही पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी के समर्थकों ने उन्हें मुल्ली, पाकिस्तानी और आतंकवादी और अभद्र गालियां दी । जब इकरा हसन ने उनके खिलाफ कार्यवाही की मांग की और यह सवाल खड़ा किया कि क्या यही बीजेपी का "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान है । क्या सनातन में ऐसे ही बेटियों का सम्मान होता है तो पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने सार्वजनिक रूप से चौधरी इकरा हसन के लिए कहा कि जिन्होंने तलवार के डर से सलवार पहनी हो उसको सनातन से सवाल करने का अधिकार नहीं है । हैरानी इसलिए है कि उस प्रदीप चौधरी पर कोई कार्यवाही होगी या नहीं, क्योंकि यह उस मनुवादी मानसिकता के लोग हैं जिन्होंने कभी भी महिलाओं का सम्मान नहीं किया । अगर बात असम के मुख्यमंत्री की करें तो उसे मुसलमानों से इतनी नफरत है कि उसका अगर बस चले तो वह असम के मुसलमानों को या तो जबरन बांग्लादेश में धकेल दे या फिर हिंद महासागर में डूबा दे । ऐसे ही उत्तराखंड का मुख्यमंत्री कह रहा है । पहले दरगाहों पर यह कहकर बुलडोजर चलवाए हैं कि वे वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा करके बसाई गई हैं, फिर मदरसा बोर्ड को भंग किया गया । ऐसी ही मुसलमानों को झूठे मुकदमों में फसाने के लिए हर भाजपा सरकार अपने-अपने राज्य में धर्मांतरण निरोधक कानून बना रही है । ताकि इसकी आड़ में मुसलमानों को झूठे मुकदमों में फंसा कर जेलों में डाला जाए।

भाजपा सरकारों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में कोई भी पार्टी आजीवन सत्ता में नहीं रहती है । जनता उनको विकास करने के लिए वोट देती है और भाजपा को समझना चाहिए कि क्या देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को इस तरह से हास्य पर धकेल कर देश का विकास किया जा सकता है ? क्या वह नफरत के जरिए देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को खत्म कर सकते हैं ?

-डॉ. शहाबुद्दीन खान

जानिए कौन थे गणितज्ञ और खगोल शास्त्री हसन इब्न अल-हयथम

अबू अली अल-हसन इब्न अल-हसन इब्न अल-हयथम वर्तमान इराक के एक मध्ययुगीन गणितज्ञ, खगोलशास्त्री और भौतिक विज्ञानी थे। उन्हें "आधुनिक प्रकाशिकी का जनक" (प्रकाश विज्ञान के जनक) कहा जाता है और "पहले सच्चे वैज्ञानिक" भी कहा जाता है। पश्चिमी दुनिया में अल हयतम को अल हेज़न (Alhazen) के नाम से भी जाना जाता है — इस्लामी स्वर्ण युग के सबसे महान वैज्ञानिकों, दार्शनिकों और गणितज्ञों में से एक थे। उन्होंने विशेष रूप से प्रकाशिकी और दृश्य धारणा के सिद्धांतों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सबसे प्रभावशाली काम किताब अल-मनाज़िर है, जो सात खण्डों में सन् 1011-1021 के दौरान लिखी गयी थी। इनकी किताब प्रकाशिकी का अनुवाद 12वीं शताब्दी के अंत में या 13वीं शताब्दी की शुरुआत में एक अज्ञात विद्वान द्वारा लैटिन भाषा में अनुवाद भी किया गया था, लैटिन अनुवादों के ज़रिए उनका ज्ञान गैलीलियो, केप्लर, और डेसकार्टेस तक पहुंचा । इनके कार्यों को वैज्ञानिक क्रांति के दौरान आइजैक न्यूटन, जोहान्स केपलर, क्रिस्टियान ह्यूजेंस और गैलीलियो गैलीली द्वारा अक्सर उद्धृत किया गया था । इयान पी. हॉवर्ड ने 1996 के परसेप्शन लेख में तर्क दिया कि अल्हाज़ेन (इब्ने अल हयथम) को कई खोजों और सिद्धांतों का श्रेय दिया जाना चाहिए, जिन्हें पहले पश्चिमी यूरोपीय लोगों द्वारा सदियों बाद लिखने के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

इनका जन्म सन्. 965 ई. (सी. 354 एएच) में बसरा, बुयिद अमीरात (अब इराक) में हुआ था और इनकी मृत्यु लगभग 1040 (लगभग 430 एएच) में 75 वर्ष की आयु में काहिरा (मिस्र) में हुई थी। उन्होंने अपना अधिकांश समय फ़ातिमी राजधानी काहिरा में बिताया और कई किताबों की रचना करके और कुलीन वर्ग के लोगों को शिक्षा देकर अपनी जीविका अर्जित करते थे।

शुरुआती दौर में इस्लाम धर्म का अध्ययन और समाज सेवा करते थे। लेकिन उस समय समाज में धर्म के बारे में कई परस्पर विरोधी विचार थे, जिससे अंततः उन्होंने धर्म से अलग हटने की कोशिश की और उन्हें गणित और विज्ञान के अध्ययन में रुचि पैदा हुई। उन्होंने अपने मूल स्थान बसरा में वज़ीर की उपाधि के साथ एक पद संभाला और गणित के अपने ज्ञान के लिए प्रसिद्ध हुए। बाद में काहिरा लौटने पर उन्हें एक प्रशासनिक पद दिया गया :- फ़ातिमी खलीफ़ा, अल-हकीम बि-अम्र अल्लाह द्वारा नील नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए मिस्र बुलाया गया था। उन्होंने नील नदी की वार्षिक बाढ़ का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया और आधुनिक असवान बाँध के स्थान पर एक बाँध बनाने की योजनाएँ तैयार की । हालाँकि बाद में उनके क्षेत्रीय कार्य ने उन्हें इस योजना

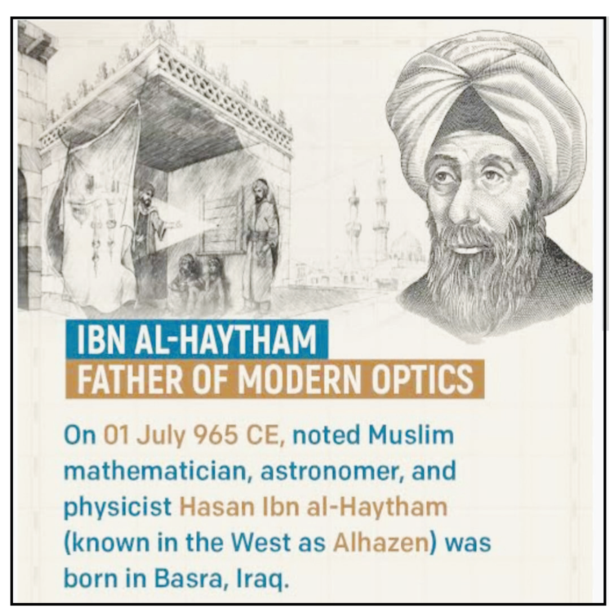

की अव्यवहारिकता का एहसास कराया और उन्होंने खलीफ़ा की सज़ा से बचने के लिए जल्द ही पागलपन का नाटक किया । जब वह इस कार्य को भी पूरा करने में असमर्थ साबित हुए तो उन्होंने खलीफा अल-हकीम का गुस्सा मोल ले लिया था। कहा जाता है कि 1021 में खलीफा की मृत्यु तक उन्हें छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद उनकी जब्त की गई संपत्ति उन्हें वापस कर दी गई। यह भी किंवदंती है कि उन्होंने पागलपन का नाटक किया और इस दौरान उन्हें नजरबंद रखा गया था। इसी दौरान उन्होंने अपनी प्रभावशाली पुस्तक लिखी। कहा जाता है कि उनके छात्रों में सेमनान के एक फ़ारसी सोरखब (सोहराब) और मिस्र के राजकुमार अबू अल-वफ़ा मुबाशिर इब्न फतेक शामिल थे।

इब्न अल-हयथम यह समझाने वाले पहले व्यक्ति थे कि दृष्टि तब होती है जब प्रकाश किसी वस्तु से परावर्तित होता है और फिर किसी की आँखों में जाता है और यह तर्क देने के लिए कि दृष्टि मस्तिष्क में होती है, यह अवलोकन की ओर इशारा करते हुए कि यह व्यक्तिपरक है और व्यक्तिगत अनुभव से प्रभावित है।

अल हयतम ने बहुत सी किताबें लिखी हैं, उनमें से कुछ प्रमुख किताबें और योगदान यह हैं:-

1. किताब अल-मनाज़िर
2. तहरीर अल-उक़्नीद
3. मक़ाला फी ज़ुहूर अल-कमर
4. अल-शुकूक 'अला
5. इब्ने अल हयथम ने कई अन्य ग्रंथ भी लिखे हैं, जिनमें उनका रिसाला फ़ि-दाव (प्रकाश पर ग्रंथ) भी शामिल है। उन्होंने प्रकाश, इंद्रधनुष, ग्रहण, गोधूलि और चांदनी के गुणों का अध्ययन किया। दर्पणों और हवा, पानी, काँच के घनों, गोलार्धों और चतुर्थांश-गोलों के बीच अपवर्तक अंतरापृष्ठों के साथ प्रयोगों ने उनके प्रकाशिकी सिद्धांतों की नींव रखी ।
6. सात ग्रहों में से प्रत्येक की गति का मॉडल
अल्हाज़ेन की पुस्तक द मॉडल ऑफ़ द मोशन्स ऑफ़ ईच ऑफ़ द सेवन प्लैनेट्स लगभग 1038 में लिखी गई थी । केवल एक क्षतिग्रस्त पांडुलिपि ही मिली है, जिसमें केवल परिचय और ग्रहों की गति के सिद्धांत पर पहला खंड ही बचा है , इन्होंने ने कुल पच्चीस खगोलीय कार्य लिखे हैं।जिनका बहुत महत्व है।
7. ज्यामिति:- प्रारंभिक ज्यामिति में, अल्हाज़ेन ने लून्स (अर्धचंद्राकार आकार) के क्षेत्र का उपयोग करके वृत्त का वर्ग करने की समस्या को हल करने का प्रयास किया।
8. वैज्ञानिक विधि:- "प्रयोगात्मक स्थितियों को निरंतर और एक समान तरीके से अलग-अलग करने की विधि का व्यवस्थित उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति थे ।
9. संख्या सिद्धांत:- संख्या सिद्धांत में अलहाज़ेन के योगदानों में पूर्ण संख्याओं पर उनका कार्य शामिल है । अपने विश्लेषण और संश्लेषण में, वह संभवतः यह बताने वाले पहले व्यक्ति थे कि प्रत्येक सम्पूर्ण संख्या के रूप की होती है ।
10. गणना:- चतुर्थ घात के योग सूत्र की खोज की।
11. धर्म-शास्त्र:- इस्लामी धर्म-शास्त्र पर एक काम लिखा, जिसमें उन्होंने पैगंबरी पर चर्चा की और अपने समय में इसके झूठे दावेदारों को पहचानने के लिए दार्शनिक मानदंडों की एक प्रणाली विकसित की। उन्होंने गणना द्वारा क़िबला की दिशा खोजने नामक एक ग्रंथ भी लिखा, जिसमें उन्होंने गणितीय रूप से क़िबला खोजने पर चर्चा की।
12. रंग स्थिरता:- उन्होंने बताया कि प्रकाश की गुणवत्ता और वस्तु का रंग मिश्रित होते हैं और दृश्य तंत्र प्रकाश और रंग को अलग करता है।

इब्ने अल हयथम ने अल्लाह के बारे में कहा है कि:-

"मैं निरंतर ज्ञान और सत्य की खोज में लगा रहा और यह मेरा विश्वास बन गया कि ईश्वर के तेज और निकटता तक पहुँचने के लिए सत्य और ज्ञान की खोज से बेहतर कोई रास्ता नहीं है"।

मौजूदा दौर में कहा जाता है कि मुसलमानों का क्या योगदान है ? दरअसल हम हमारे गौरवशाली इतिहास को भुला बैठे हैं। मुसलमानों ने भी दुनिया के विकास में योगदान दिया है।

-फ़ज़लुर्रहमान

भारत के पहले संचार मंत्री थे रफी अहमद किदवई

24 अक्टूबर पुण्यतिथि पर विशेष.....

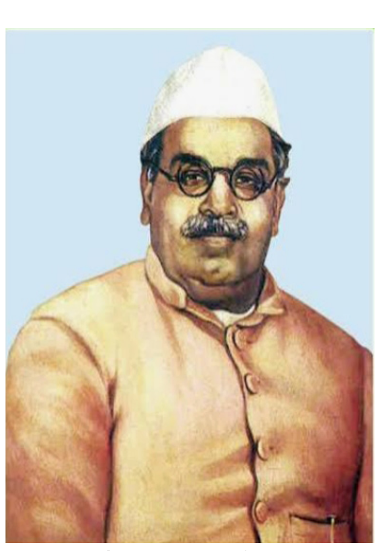

रफी अहमद किदवई एक महान राजनेता, भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और एक समाजवादी थे, जिन्हें इस्लामी समाजवादी के रूप में भी जाना जाता है। इनका जन्म 18 फरवरी 1894 में उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के मसेली गांव में हुआ था। इनके पिता इम्तियाज अली एक समृद्ध जागीरदार थे, जिन्होंने सरकारी सेवा में प्रवेश करके समाज का नाम रोशन किया था। रफी अहमद किदवई ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने चाचा विलामत अली से ली थी जो कि पेशे से एक शिक्षक और राजनीतिक रूप से सक्रिय वकील थे। 12वीं तक वह बाराबंकी जिले में ही पढ़े और फिर इसके बाद मोहम्मद एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज अलीगढ़ चले गए। जहां पर उन्होंने सन 1918 में बीए के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने एलएलबी की डिग्री की दिशा में काम करना शुरू किया, लेकिन सन 1920-21 में महात्मा गांधी के अखिल भारतीय आंदोलनों में भागीदारी के लिए जेल भेज दिए गए और वह एलएलबी कभी पूरी नहीं कर पाए सन। 1919 में रफी की शादी मजीद-अन-निशा से हुई थी। रफी अहमद किदवई राजनीति में भी काफी सक्रिय रहे। अलीगढ़ में मोहम्मद एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज में भाग लेने के बाद किदवई ने खिलाफत आंदोलन के माध्यम से राजनीति में प्रवेश किया। सन 1926 के चुनाव में केंद्रीय विधानसभा के लिए औध से स्वराज पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुने गए थे वह विधानसभा में स्वराज पार्टी के चीफ व्हीप बन गए। किदवई के राजनीतिक कौशल ने पार्टी में विवादित मुद्दों पर एकता बनाए रखने में मदद की। सन 1929 में किदवई विधानसभा में स्वराज पार्टी के सचिव चुने गए।मोतीलाल नेहरू के प्रति उनकी निष्ठा थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 19 दिसंबर 1919 को पूर्ण स्वराज की मांग की और महात्मा गांधी ने जनवरी 1930 में नागरिक अवज्ञा आंदोलन शुरू किया। कांग्रेस कार्यकारिणी समिति द्वारा पूर्ण स्वराज संकल्प के जवाब में किदवई ने केंद्रीय विधानसभा से इस्तीफा दे दिया और नागरिक अवज्ञा आंदोलन में कूद पड़े। भारत सरकार अधिनियम 1935 के पारित होने के बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए एक पद संभाला। 1937 में प्रांतीय स्वायत्तता योजना के तहत आगरा और औध यूपी के संयुक्त प्रांतों में गोविंद बल्लभ पंत कैबिनेट में किदवई राजस्व और जेलों के मंत्री बने। अप्रैल 1946 में वह यूपी के गृह मंत्री भी बने। सन 1947 में भारत को ब्रिटिश राज से आजादी मिलने के बाद किदवई भारत के पहले संचार मंत्री बने। किदवई का निधन 24 अक्टूबर 1954 को 60 वर्ष की उम्र में हुआ।

भारत के बहुलवादी समाज और साझी विरासत का उत्सव

भारत दुनिया में बहुलवादी समाज के सबसे ज्वलंत उदाहरणों में से एक है, एक ऐसा देश जहाँ एकता विविधता को मिटा नहीं पाती और विविधता एकता को विभाजित नहीं करती। बर्फ से ढके हिमालय से लेकर तमिलनाडु के तटीय मंदिरों तक, दिल्ली के सूफी दरगाहों से लेकर लद्दाख के मठों तक, भारतीय परिदृश्य सह-अस्तित्व की एक कालातीत कहानी कहता है। भारत की संस्कृति और इतिहास में गहराई से निहित बहुलवाद की यह भावना इसकी राष्ट्रीय पहचान और नैतिक शक्ति को परिभाषित करती रही है। भारत में बहुलवाद कोई नया राजनीतिक विचार नहीं है; यह हज़ारों वर्षों से पोषित एक सभ्यतागत लोकाचार है। प्राचीन भारतीय कहावत, "एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति", सत्य एक है, लेकिन बुद्धिमान लोग इसे कई तरीकों से वर्णित करते हैं, इस दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करती है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, और अन्य धर्म सह-अस्तित्व में रहे हैं और अक्सर एक-दूसरे की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में योगदान करते रहे हैं। भारत की समन्वित भाषाएँ, त्यौहार, संगीत और व्यंजन इस साझा विरासत को दर्शाते हैं। किसी भी भारतीय शहर से गुज़रें, और इस साझा विरासत के संकेत हर जगह दिखाई देंगे। दिल्ली में हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया की दरगाह पर कव्वालियाँ सभी धर्मों के लोगों को आकर्षित करती हैं; हिंदू और मुस्लिम कारीगरों ने मिलकर ताजमहल का निर्माण किया, जो पहचान से परे एक उत्कृष्ट कृति है; और केरल में, हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों का सदियों पुराना सह-अस्तित्व अद्वितीय कला रूपों और साझा रीति-रिवाजों को जन्म देता है। दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहर वाराणसी में, मंदिर की घंटियाँ मुअज़्ज़िन की पुकार के साथ सहज रूप से घुल-मिल जाती हैं ये उदाहरण दर्शाते हैं कि भारत की विविधता एक बोझ नहीं, बल्कि परस्पर निर्भरता और सम्मान का जीवंत संगम है।

भारत का इतिहास परस्पर संवाद और पारस्परिक समृद्धि की कहानियों से भरा पड़ा है। भारतीय स्थापत्य कला पर फ़ारसी प्रभाव, संस्कृत और फ़ारसी का सम्मिश्रण जिसने उर्दू को जन्म दिया, और मुस्लिम उस्तादों और हिंदू संगीतकारों के योगदान से शास्त्रीय संगीत का विकास, ये सभी दर्शाते हैं कि भारत में संस्कृतियाँ कभी आपस में टकराई नहीं, बल्कि आपस में संवाद करती रहीं। भक्ति और सूफी आंदोलनों ने इस सद्भाव को और गहरा किया। कबीर, गुरु नानक और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती जैसे संतों ने प्रेम की ऐसी भाषा बोली जो धार्मिक और सामाजिक भेदभाव से परे थी। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि भक्ति और मानवता, कर्मकांड या पहचान से कहीं बढ़कर हैं। यह साझा आध्यात्मिक विरासत भारत की सबसे शक्तिशाली सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है।भारत का कैलेंडर वर्ष भर विविधता का उत्सव है। दिवाली, ईद, क्रिसमस, बैसाखी, ओणम, होली और पोंगल, धर्म की परवाह किए बिना, आपसी भागीदारी के साथ मनाए जाते हैं। कई गाँवों में, हिंदू परिवार ईद पर सेवइयाँ बनाते हैं, जबकि मुस्लिम पड़ोसी दिवाली के दौरान दीये जलाते हैं। ये छोटे लेकिन गहरे भाव, उस विश्वास और स्नेह का प्रतीक हैं जो भारतीय समाज की रीढ़ हैं। भारत का बहुलवाद अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों में फलता-फूलता है। इसका संगीत, साहित्य और व्यंजन सदियों के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। सितार, तबला और ग़ज़ल में विभिन्न परंपराओं के सुर एक राग में समाहित हैं। साहित्य में, मीर और ग़ालिब जैसे उर्दू कवि, कालिदास जैसे संस्कृत विद्वान, और तमिल, बंगाली या मलयालम के आधुनिक लेखकों ने भारत की सामूहिक पहचान में अनूठी आवाज़ें जोड़ी हैं। 1950 में अपनाए गए भारत के संविधान ने उस बहुलवादी भावना को औपचारिक अभिव्यक्ति दी जिसने लंबे समय से इस उपमहाद्वीप को परिभाषित किया था। यह धर्म, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, ऐसे मूल्य जो यह सुनिश्चित करते हैं कि एक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत विविधता फलती-फूलती रहे। डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि भारत की ताकत समावेशिता में है, न कि एकरूपता में। इसलिए, बहुलवाद केवल एक सांस्कृतिक घटना ही नहीं, बल्कि एक नैतिक और कानूनी प्रतिबद्धता भी है। यह यह सुनिश्चित करके भारत के लोकतंत्र को बनाए रखता है कि प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म या पृष्ठभूमि का हो, समान अधिकार और सम्मान प्राप्त करे। हाल के दिनों में, सामाजिक ध्रुवीकरण और गलत सूचनाओं ने कभी-कभी इस सद्भाव की परीक्षा ली है। हालाँकि, अधिकांश भारतीय सह-अस्तित्व के सिद्धांतों को कायम रखते हैं। अब यह ज़िम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है कि वह विभाजनकारी आख्यानों को अस्वीकार करे, संवाद के सांस्कृतिक स्थलों की रक्षा करे और युवा पीढ़ी को सहिष्णुता और सहानुभूति के मूल्यों से परिचित कराए। बहुलवाद को केवल कानूनों से संरक्षित नहीं किया जा सकता; यह लोगों के दैनिक कार्यों से पनपता है, पड़ोसियों के प्रति दया, विभिन्न मान्यताओं के प्रति सम्मान और आलोचना करने के बजाय सुनने की इच्छा। भारत का बहुलवाद केवल साथ-साथ रहने के बारे में नहीं है; यह परस्पर सम्मान और साझा उद्देश्य के साथ साथ रहने के बारे में है। यह जीवन जीने का एक तरीका है जहाँ मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे विरोध में नहीं बल्कि सद्भाव में खड़े हैं। भारतीय भावना सिखाती है कि एकता एकरूपता नहीं बल्कि स्वीकृति है, कि आस्थाएँ अलग हो सकती हैं लेकिन दिल एकजुट हो सकते हैं। पहचान से तेजी से विभाजित होती दुनिया में, भारत एक प्राचीन लेकिन कालातीत सबक देता है।

रेलवे में 2570 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से जूनियर इंजीनियर, डिपो मटेरियल सुपरिटेंडेंट, केमिकल एंड मेटलर्जिकल असिस्टेंट के पदों पर भर्ती का शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इन पदों पर आवेदन प्रक्रिया 31 अक्टूबर, 2025 से शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार रेलवे की ऑफिशियल वेबसाइट rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
31 अक्टूबर से 30 नवम्बर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित विषय में बी.ई/बीटेक
या कंप्यूटर साइंस, आईटी में डिप्लोमा/डिग्री
या केमिस्ट्री और फिजिक्स के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री

आयु सीमा :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 33 साल
आयुसीमा की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को छूट मिलेगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी-I
सीबीटी-II
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जामिनेशन

सैलरी :
35400 रुपए प्रतिमाह
अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.rrbapply.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके मांगी गई डिटेल्स दर्ज करें।
रजिस्ट्रेशन होने के बाद लॉग इन करें।
फीस (यदि लागू हो) जमा करें।
फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

DDA ने 1732 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने विभिन्न ग्रुप ए, बी और सी पदों पर भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के तहत जूनियर इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, स्टेनोग्राफर, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर सहित 1732 पदों पर भर्ती होगी।
आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार डीडीए की ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 5 नवंबर तय की गई है।

आवेदन शुरू :
06 ऑक्टूबर से 05 नवंबर 2025 तक

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, भूतपूर्व सैनिक, महिला, दिव्यांग : नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन लिखित परीक्षा
स्किल टेस्ट
टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

सैलरी :
7वें केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार
अन्य अलाउंस का लाभ भी दिया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट dda.gov.in पर जाएं।
वेबसाइट पर उपलब्ध "ऑनलाइन आवेदन" लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरी करें।
जरूरी डिटेल्स भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

ISRO में 10वीं पास के लिए निकली भर्ती

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर, अहमदाबाद ने टेक्नीशियन 'B' और फार्मासिस्ट 'A' पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट careers.sac.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
24 अक्टूबर से 13 नवंबर 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
टेक्नीशियन B : 10वीं पास, आईटीआई की डिग्री
फार्मासिस्ट A : फार्मेसी में फर्स्ट क्लास डिप्लोमा

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 35 वर्ष
आयु की गणना 13 नवंबर 2025 के अनुसार की जाएगी।
आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

फीस :
सभी वर्गों के उम्मीदवारों को 500 रुपए फीस देना होगी।
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को परीक्षा होने के बाद 400 रुपए वापिस कर दिए जाएंगे।
अन्य सभी उम्मीदवारों को 500 रुपए वापिस किए जाएंगे।

सैलरी :
टेक्नीशियन B : 21,700 - 69,100 रुपए प्रतिमाह
फार्मासिस्ट A : 29,200 - 92,300 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम
ट्रेड, स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ISRO SAC की वेबसाइट careers.sac.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Recruitment सेक्शन में जाकर Technician/Pharmacist 2025 लिंक पर क्लिक करें।
इसके बाद 'Apply Online' लिंक पर क्लिक करके आवेदन फॉर्म भरें।
सभी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले दैनिक रॉयल पत्रिका एवं डिजिटल रॉयल पत्रिका के लिए 5 रिपोर्टर्स एवं 2 विज्ञापन लाने के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्राथमिकता। इंटर्नशिप करने के इच्छुक उम्मीदवार भी संपर्क कर सकते हैं।

इच्छुक उम्मीदवार शीघ्र संपर्क करें -

संपर्क करें -
- royalpatrika@gmail.com
- +91-9772552446

राजस्थान में जमादार के 72 पदों पर निकली भर्ती

-एज लिमिट 40 साल, 12वीं पास करें अप्लाई

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने जमादार ग्रेड द्वितीय भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।
आवेदन शुरू 17 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 15 नवंबर 2025

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
12वीं पास
कंप्यूटर में O लेवल या कोई अन्य हाई लेवल सर्टिफिकेट कोर्स किया हो।
COPA/कंप्यूटर में डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट।
शारीरिक योग्यता : हाइट :
पुरुष : 168 सेमी
महिला : 152 सेमी
सीना (केवल पुरुषों के लिए) : 81 सेमी, 5 सेमी फुलाव भी होना चाहिए।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
आरक्षित वर्गों को ऊपरी आयुसीमा में नियमानुसार छूट मिलेगी

फीस :
सामान्य वर्ग क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग : 6000 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर श्रेणी के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग, ईडब्ल्यूएस/दिव्यांग : 400 रुपए

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल-5 के आधार पर

एग्जाम पैटर्न :
ड्यूरेशन : 2 घंटे
प्रश्नों की संख्या : 100
निगेटिव मार्किंग : एक तिहाई अंक
सब्जेक्ट : सामान्य ज्ञान, सामाजिक अध्ययन, भूगोल,इतिहास, कला एवं संस्कृति, दैनिक विज्ञान, मैथ्स, राजस्थान से संबंधित उच्च माध्यमिक स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर "Recruitment Advertisement" सेक्शन पर क्लिक करें।
"RSSB जमादार ग्रेड 2 भर्ती 2025" लिंक चुनें।
रजिस्ट्रेशन करें और फॉर्म में जरूरी जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस का ऑनलाइन भुगतान करके आवेदन जमा करें।
आगे की जरूरत के लिए फॉर्म का प्रिंटआउट निकालकर रखें।

ONGC में 2623 पदों पर निकली भर्ती

-ग्रेजुएट्स से लेकर इंजीनियर को मौका, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्तियां निकाली हैं। उम्मीदवार ओएनजीसी (ONGC) की ऑफिशियल वेबसाइट ongcindia.com पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
आवेदन शुरू 16 अक्टूबर 2025
लास्ट डेट 6 नवंबर 2025

वैकेंसी डिटेल्स :

क्षेत्र का नाम	पदों की संख्या
उत्तरी क्षेत्र	165
पश्चिमी क्षेत्र	856
मुंबई सेक्टर	569
पूर्वी क्षेत्र	458
दक्षिणी क्षेत्र	322
केंद्रीय क्षेत्र	253
कुल पदों की संख्या	2623

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
डिप्लोमा ट्रेड :
3-वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा।
ग्रेजुएट ट्रेड :
संबंधित क्षेत्र में ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी/एसटी : अधिकतम 29 साल
ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) : अधिकतम 27 साल
दिव्यांगजन : अधिकतम 34 साल
स्टाइपेंड : पद के अनुसार 8,200 - 12,300 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :
पद के अनुसार ऑफिशियल वेबसाइट nats.education.gov.in या www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर Recruitment सेक्शन पर क्लिक करें।
अब अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें। फॉर्म में दी गई जानकारी भरें।
जरूरी डाक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
आवेदन फॉर्म पूरा भरने के बाद इसे सब्मिट कर दें।
फॉर्म का एक प्रिंट आउट निकाल कर रखें।

एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी में 131 पदों पर भर्ती

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने 131 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 17 अक्टूबर से शुरू हो गई है। उम्मीदवार वेबसाइट mppgcl.mp.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी 15 नवंबर तय की गई है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, 1 साल का कंप्यूटर डिप्लोमा, साथ में सीपीसीटी सर्टिफिकेट होना चाहिए।
संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री, डिप्लोमा, 3 से 5 साल का अनुभव।

फीस :
जनरल : 1200 रुपए
एससी, एसटी, ओबीसी पीडब्ल्यूडी, ईडब्ल्यूएस : 600 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
19,500 -1,77,500 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट mppgcl.mp.gov.in पर जाएं।
"Recruitment 2025" सेक्शन में जाकर पद चुनें।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले हिंदी अख़बार "रॉयल पत्रिका" साप्ताहिक में आप वैवाहिक, मकान बेचना है, मकान खरीदना है, इत्यादि के विज्ञापन देकर अपना वक़्त बचा सकते हैं। यह विज्ञापन बहुत ही रियायती रेट में छापे जाते हैं। विज्ञापन बुक करवाने के लिए संपर्क करें -

9772552446/9799559096

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(रणनीति)

(पिछले अंक से जारी)

21-35: अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम (International Events)

26. 2025 नोबेल केमिस्ट्री पुरस्कार किसे मिला?
a) रिचर्ड रॉबसन b) सुसुमु किटागावा c) ओमार यागी d) तीनों उत्तर: d) तीनों
स्पष्टीकरण: 9 अक्टूबर को मेटल-ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क्स (MOFs) के लिए।

27. यूरोपीय संघ का एंट्री/एग्जिट सिस्टम (EES) कब से लागू होगा?
a) 1 अक्टूबर 2025 b) 12 अक्टूबर 2025 c) 1 जनवरी 2026 d) 1 अप्रैल 2026
उत्तर: b) 12 अक्टूबर 2025
स्पष्टीकरण: शेंगेन क्षेत्र में गैर-EU नागरिकों के लिए बायोमेट्रिक सिस्टम।

28. KAUST रिसर्च के अनुसार, रेड सी का निर्माण कब हुआ?
a) 6.2 मिलियन वर्ष पूर्व b) 10 मिलियन वर्ष पूर्व c) 20 मिलियन वर्ष पूर्व d) 1 मिलियन वर्ष पूर्व
उत्तर: a) 6.2 मिलियन वर्ष पूर्व
स्पष्टीकरण: बाढ़ के कारण। वैश्विक व्यापार मार्ग का हिस्सा।

29. भारत की विदेश नीति में 'मल्टीपोलर वेस्ट' का अर्थ क्या है?
a) एकध्रुवीयता b) मल्टी-अलाइनमेंट c) नॉन-अलाइनमेंट d) यूनिपोलर विश्व
उत्तर: b) मल्टी-अलाइनमेंट
स्पष्टीकरण: EU, EFTA जैसे समझौतों के साथ साझेदारियां।

30. लेजेंड ऑफ सदुमा किस त्योहार से संबंधित है?
a) दीवाली b) नवरात्रि c) होली d) दशहरा उत्तर: b) नवरात्रि
स्पष्टीकरण: अहमदाबाद में 1816 की घटना, सांस्कृतिक स्मृति।

31. G20 ऊर्जा बैठक में भारत ने कितने प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य की बात की?
a) 30% b) 40% c) 50% d) 60% उत्तर: c) 50%
स्पष्टीकरण: भारत ने 2030 तक 50% नवीकरणीय ऊर्जा की प्रतिबद्धता दोहराई।

32. नोबेल फिजिक्स 2025 विजेताओं में कौन शामिल नहीं था?
a) जॉन क्लार्क b) मिशेल डेवोरेट c) जॉन मार्टिनिस d) डेविड जे. थौलेस
उत्तर: d) डेविड जे. थौलेस
स्पष्टीकरण: थौलेस को 2016 में पुरस्कार मिला था।

33. नोबेल मेडिसिन 2025 में Tregs का क्या महत्व है?
a) कैंसर उपचार b) इम्यून टॉलरेंस c) डायबिटीज नियंत्रण d) हृदय रोग
उत्तर: b) इम्यून टॉलरेंस
स्पष्टीकरण: रेगुलेटरी T सेल्स ऑटोइम्यून बीमारियों को रोकते हैं।

34. रेड सी की चौड़ाई कितनी है?
a) 100 मील b) 190 मील c) 300 मील d) 400 मील
उत्तर: b) 190 मील
स्पष्टीकरण: यह वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है।

35. यूनेस्को DG खालिद अल-अनानी किस देश से हैं?
a) सऊदी अरब b) मिस्र c) जॉर्डन d) मोरक्को
उत्तर: b) मिस्र
स्पष्टीकरण: सांस्कृतिक विरासत पर कार्य।

36-45: अर्थव्यवस्था, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (Economy, Science & Technology)

36. RoDTEP योजना का संचालन कौन सा मंत्रालय करता है?
a) वित्त मंत्रालय b) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय c) MSME मंत्रालय d) रक्षा मंत्रालय
उत्तर: b) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
स्पष्टीकरण: निर्यातकों को ड्यूटी रिफंड। व्यापार सुगमता के लिए।

37. एक्सरसाइज ड्रोन कवच 2025 कहां आयोजित हुआ?
a) असम b) अरुणाचल प्रदेश c) सिक्किम d) नागालैंड
उत्तर: b) अरुणाचल प्रदेश
स्पष्टीकरण: भारतीय सेना द्वारा ड्रोन युद्ध प्रशिक्षण।

38. RBI की 'स्कीम फॉर फैसिलिटेटिंग एक्सेलरेटेड पेआउट' का उद्देश्य क्या है?
a) निष्क्रिय खातों का भुगतान b) ऋण वितरण c) डिजिटल लेनदेन d) निवेश प्रोत्साहन
उत्तर: a) निष्क्रिय खातों का भुगतान
स्पष्टीकरण: अनक्लेम्ड डिपॉजिट्स का तेजी से निपटान।

39. भारतीय लॉजिस्टिक्स सेक्टर का GDP में योगदान कितना है?
a) 8% b) 14% c) 20% d) 25% उत्तर: b) 14%
स्पष्टीकरण: PM गति शक्ति से लागत 14-16% तक।

40. इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में कितने देशों ने भाग लिया?
a) 50+ b) 100+ c) 150+ d) 200+ उत्तर: c) 150+
स्पष्टीकरण: 400+ कंपनियां, 1.5 लाख विजिटर।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 का परिचय

भारत सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 शुरू की है। इस योजना के तहत लगभग 10 लाख महिलाओं को सिलाई मशीन मुफ्त प्रदान की जाएगी, ताकि वे घर बैठे टेलरिंग का काम कर आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें। यह योजना खासतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं, विधवाओं, दिव्यांग महिलाओं और एससी/एसटी/OBC वर्ग की महिलाओं के लिए है।

इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार के अनुसार, इस योजना के चलते महिलाएं सिलाई का काम करके महीने का अच्छा खासा आय अर्जित कर पाएंगी। आवेदन ऑनलाइन किए जा सकते हैं और इसके लिए जल्दी करना जरूरी है, क्योंकि मौका सीमित है और जल्द आवेदन न करने पर लाभ छूट सकता है।

फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 का परिचय

फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 के तहत महिलाओं को सिलाई मशीन मुफ्त या आर्थिक सहायता के रूप में ₹15,000 तक की राशि दी जाती है। इसके साथ ही महिलाओं को सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाता है जिससे वे आसानी से टेलरिंग करना सीख सकें। सरकार ने यह योजना खासतौर पर उन महिलाओं के लिए चलाई है जो घरेलू जिम्मेदारियों और सामाजिक कारणों से बाहर काम नहीं कर पातीं

फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 का विवरणपहलु विवरण
योजना का नाम फ्री सिलाई मशीन योजना 2025
लक्ष्य लाभार्थी महिलाएं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं, विधवा, दिव्यांग, एससी/एसटी/OBC वर्ग
आयु सीमा 20 से 40 वर्ष के बीच
लाभ सिलाई मशीन मुफ्त या ₹15,000 तक आर्थिक सहायता + मुफ्त सिलाई प्रशिक्षण
आवेदन प्रक्रिया
ऑनलाइन आवेदन, सरकारी पोर्टल या CSC सेंटर के माध्यम से ।
कुल लाभार्थी लगभग 10 लाख महिलाएं (देशभर में)

योजना का उद्देश्य
महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना, स्वरोजगार बढ़ाना-
प्राथमिकता- ग्रामीण क्षेत्र की महिलाए जरूरतमंद महिलाएं,
योजना का संचालन :- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत
आवेदन की अंतिम तिथि
जल्द घोषित की जाएगी (जल्दी आवेदन करें)

योजना के लाभ (Benefits of Free Silai Machine Yojana)
आर्थिक सहायता: महिलाओं को सिलाई मशीन या ₹15,000 तक की राशि दी जाती है जिससे वे सिलाई उनके व्यवसाय की शुरुआत कर सकें।
स्वरोजगार के अवसर: सिलाई के काम से महिलाएं घर बैठे आय कमा सकती हैं।
मुफ्त प्रशिक्षण: सिलाई का प्रशिक्षण भी योजना के तहत दिया जाता है जिससे कौशल बढ़े।
विशेष प्राथमिकता: विधवा, दिव्यांग और कमजोर वर्ग की महिलाओं को प्राथमिकता।
परिवार की आमदनी में वृद्धि: महिलाओं की आय से परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।
महिलाओं का सशक्तिकरण: महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर समाज में उनकी स्थिति सुधारती है।

ऑनलाइन आवेदन कैसे करें?
1. सबसे पहले योजना की आधिकारिक वेबसाइट या नजदीकी CSC सेंटर पर जाएं।
2. आवेदन फॉर्म भरें जिसमें आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, फोटो, एवं जाति प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज जमा करें।
3. सभी जरूरी जानकारी भर कर फॉर्म सबमिट करें।
4. आवेदन की पुष्टि के बाद सिलाई मशीन या आर्थिक सहायता का लाभ मिलेगा।
5. आवेदन जल्दी करें क्योंकि मौका सीमित है और आवेदन की अंतिम तिथि जल्द घोषित होगी।

योजना के लिए योग्यता
भारत की नागरिक महिलाएँ जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं।
आयु 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
दिव्यांग, विधवा या एससी/एसटी/OBC वर्ग की महिलाओं को प्राथमिकता।
परिवार में कोई सरकारी नौकरी नहीं होनी चाहिए।
महिलाओं को सिलाई का बेसिक ज्ञान होने पर प्राथमिकता मिलेगी।

फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 के बारे में तथ्य और सच्चाई
इस योजना से जुड़ी अधिकांश जानकारियाँ भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल पर उपलब्ध हैं। योजना पूरी तरह से सरकारी है और इससे लाखों महिलाओं को लाभ मिलेगा। हालांकि, कई जगह यह भ्रम फैलाया जाता है कि योजना में पूरी मशीन मुफ्त दी जाएगी, जबकि यह योजना आर्थिक सहायता के रूप में ₹15,000 तक सहायता देती है ताकि महिलाएं सिलाई मशीन खरीद सकें।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है, और जो महिलाएं इसमें आवेदन कर रही हैं, उनके लिए यह एक बेहतर अवसर है। फ्री सिलाई मशीन योजना 2025 महिलाओं के लिए बेहद उपयोगी है जो उन्हें रोजगार और आर्थिक स्वतंत्रता देती है। योजना का ऑनलाइन आवेदन जल्द करें ताकि मौका न छूटे। योजना से जुड़ा कोई भी धोखाधड़ी या फेक समाचार से बचें और सरकार के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर ही विस्तार से जानें।

संकलनकर्ता : फ़ज़लुर्रहमान

बद से बदतर होते जा रहे हैं शिक्षा के हालात

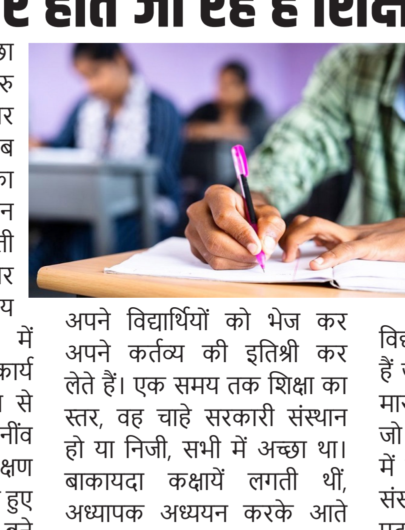

भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में अच्छा नाम कमाया है और विश्वगुरु होने का भी दावा अक्सर सुनने में आता है, लेकिन अब भारत में धीरे-धीरे शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। प्राचीन काल में आश्रमों में शिक्षा होती थी, नालन्दा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालय भी यहाँ हुए। कालान्तर में मदरसों और मस्जिदों में यह कार्य होने लगा। अंग्रेजों के समय से आधुनिक शिक्षा पद्धति की नींव पड़ी। बाद में अनेकानेक शिक्षण संस्थान स्थापित हुए जिनमें पढ़े हुए कितने ही विद्यार्थी क्रान्तिकारी बने और भारत के स्वाधीनता संग्राम में अपना अमूल्य योगदान दिया। आज भी अनेकानेक सरकारी, अर्द्धसरकारी और निजी शिक्षण संस्थान स्थापित होते जा रहे हैं। सरकारों के पास या तो साधन-संसाधन कम पड़ जाते हैं या इच्छा शक्ति कि सरकारी विद्यालय निजी विद्यालयों से कमतर साबित होते जा रहे हैं और धीरे-धीरे बंद कर दिये जाते हैं या मर्ज कर दिये जाते हैं। इस लेख में जिस समस्या पर खास चर्चा की जा रही है, वह यह है कि आजकल कई विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्यापकों ने पढ़ाना बंद कर दिया है। वे अपने लिखे हुए नोट्स की कॉपी व्हाट्सएप, यू-ट्यूब या मेल पर अपने विद्यार्थियों को भेज कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। एक समय तक शिक्षा का स्तर, वह चाहे सरकारी संस्थान हो या निजी, सभी में अच्छा था। बाकायदा कक्षायें लगती थीं, अध्यापक अध्ययन करके आते थे, छात्र कक्षा में सवाल-जवाब करते थे, अध्यापक भी सवाल-जवाब करते थे, पुस्तकालय रौनक रहते थे। छात्र परिश्रम करते, परीक्षायें देकर पास होते और नौकरी या कोई और काम-धन्धा करते। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से, खास कर जब से मोबाईल में नई-नई तकनीकी आई है; यह सब समाप्त-सा हो गया है। अध्यापक कक्षायें नहीं लेते हैं, खासकर निजि क्षेत्र के स्कूलों और कॉलेजों में, छात्र एक दूसरे को नोट्स साझा करते हैं, जो आमतौर पर उनके सीनियर्स के होते हैं जो वे स्वयं के पास होने के लिये बनाते हैं। शिक्षा की मुख्य प्रक्रिया, जिज्ञासा, पढ़ना-पढ़ाना, समझना-समझाना और तर्क-वितर्क ही समाप्त होता जा रहा है। ऐसे में अनुमान लगा सकते हैं कि कैसे विद्यार्थी तैयार होंगे? सरकारी विद्यालयों की तो बात समझ में आती है कि पर्याप्त अध्यापक नहीं होने के कारण बच्चे पास होने के लिये कोचिंग संस्थानों में जाते हैं, लेकिन निजि विद्यालयों के बच्चे भी कोचिंग जाते हैं जो कि अभिभावकों पर दोहरी मार है। दुखद स्थिति तो यह है कि जो अध्यापक किसी निजि विद्यालय में पढ़ाते हैं वे ही अपने कोचिंग संस्थान में भी उन्हीं विद्यार्थियों को पढ़ाते हैं और नोट्स व्हाट्सएप, यू-ट्यूब या मेल पर भेज देते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार होते रहना चाहिये, पुरानी पद्धतियां, विधियां और आउटडेटेड सेलेबस हटाकर नया सेलेबस आना चाहिये, लेकिन जिज्ञासा, पढ़ने-पढ़ाने, समझने-समझाने और तर्क-वितर्क की प्रक्रिया समाप्त नहीं होना चाहिये। ये सब नियमित कक्षा में ही संभव है जिसमें दोनों तरफा संवाद होता है, यह किताबों और नोट्स से यह कार्य नहीं होता है।

अतः शिक्षा में भले ही नवाचार हो, लेकिन छात्र-शिक्षक संवाद समाप्त नहीं होना चाहिये, ताकि अच्छे विद्यार्थी निकल सकें।

डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा ने मांगरोल में किया सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ

-मतदाताओं को दिया जागरूकता का संदेश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के अंतर्गत सामान्य पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा ने शनिवार 25 अक्टूबर को मांगरोल स्थित मतदान बूथ परिसर में सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ किया। उन्होंने सेल्फी प्वाइंट पर स्वयं फोटो लेकर आगामी उपचुनाव में शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। इस अवसर पर सुभाश्री नंदा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। बारां जिले के मतदाता सदैव चुनावों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते आए हैं, अतः इस उपचुनाव में भी सभी मतदाता उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करें और सर्वाधिक मतदान का नया रिकार्ड बनाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले

में निरंतर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अंता विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं मतदान केंद्रों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं, जिन पर प्रेरणादायक स्लोगन एवं शुभंकर 'मतू' के कटआउट लगाए गए हैं ताकि मतदाता मतदान के प्रति प्रेरित हों। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान उपखण्ड अधिकारी सौरभ भाम्बू, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, ईओ नगर पालिका भावेश रजक, तहसीलदार बृजेश कुमार शिहरा, एईएन अक्षय गालव, स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव सहित अन्य अधिकारी, स्वीप दल सदस्य एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर मतदान जागरूकता का संदेश प्रसारित किया।

कांग्रेस के सक्रिय पदाधिकारी विष्णु प्रसाद पाटीदार झालावाड़ जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी द्वारा आगामी दिनों में जिले में नए जिला अध्यक्ष की घोषणा होनी है, झालावाड़ जिले में झालारापाटन, खानुपर, मनोहरथाना, डग एवंम् बांरा विधानसभा क्षेत्र आते है। झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में झालारापाटन, खानपुर मनोहरथाना, डग क्षेत्र में लगभग 75000 क्षत्रिय कुर्मी, पाटीदार, पटेल समाज के मतदाता निवासरत है। क्षत्रिय कुर्मी, पाटीदार, पटेल कृषक समाज होने के कारण अन्य कृषक समाज, धाकड़, नागर, तेली, राठौर, जाट मीणा, गुर्जर व एस.सी.एस.टी.राजपूत एवंम् अल्पसंख्यक समाज भी क्षत्रिय कुर्मी पाटीदार समाज से जुडे हुये है। समाज का नेतृत्व करने वाले विष्णु प्रसाद पाटीदार लोकसभा क्षेत्र की जनता से निरन्तर उनके सुख दुःख में शामिल होकर सीधा सम्पर्क बना रखा है, विष्णु प्रसाद पाटीदार 1989 से झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में सक्रिय कार्यकता के रूप में कार्य कर रहे है। इनको सहयोग एवंम् आर्शीवाद मिले तो ये भविष्य में झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में विजय हासिल कर सकते है। ये 1988 से लगातार आज तक सक्रिय सदस्य भारतीय राष्ट्रीय कांगेस (आई) 1988 से 1990 तक उपाध्यक्ष, जिला युवक कांग्रेस, 1990 से 1995 तक

उपाध्यक्ष, प्रदेश किसान प्रकोष्ठ, कांग्रेस (आई) 1992 से 2000 तक अध्यक्ष, जिला पाटीदार समाज, झालावाड़ 2000 से आज तक अध्यक्ष, पाटीदार समाज विकास संस्थान, इसके अलावा 1995 से आज तक अध्यक्ष, तिलहन उत्पादक सहकारी समिति 1994 से 1997 तक सदस्य, जिला विधिक सहायता समिति, 1995 से 2001 तक अध्यक्ष, जिला कांग्रेस सेवादल, झालावाड़ ,1996 से 2001 तक महामंत्री, जिला किसान कांग्रेस, 2001 से 2007 तक अध्यक्ष, जिला किसान कांग्रेस, झालावाड़ 2002 से 2009 तक महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी, 2003 से 2004 तक अध्यक्ष, जिला अभिभाषक परिषद्, झालावाड़। 2005 से 2009 तक अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग, झालावाड़। 2009 से 2014 तक लोक अभियोजक एवं राजकीय अधिवक्ता जिला झालावाड़ 2015 से 2018 तक अध्यक्ष, राजस्थान पाटीदार समाज 2018 से आज तक सरंक्षक राजस्थान पाटीदार समाज 2021 से आज तक उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी, पाटीदार क्षत्रिय महासभा के रहे है ऐसे में विष्णु प्रसाद पाटीदार की दावेदारी इन महत्वपूर्ण पदों पर रहने के कारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के लिए सबसे मजबूत मानी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य का किया स्वागत

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 को स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इंडिया (SIO) यूनिट मांगरोल के सदस्यों ने नेपाल में आयोजित हुई इंडो- नेपाल यूथ इंटरनेशन चैम्पियनशिप 2025 में भारत की पुरुष कबड्डी टीम को गोल्ड मेडल व फाइनल जीतने के उपलक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में मांगरोल निवासी करण आदित्य सिंह के घर जाकर उनका सम्मान किया गया। SIO की तरफ से उन्हें सम्मान चिन्ह पेश कर उनकी कामयाबी पर मुबारकबाद दी गई । उन्होंने कहा कि खेल आपसी भाईचारे और इंसानियत के पैग़ाम को मज़बूत करने का ज़रिया है। और जब कभी भी और कही भी मेरी आवश्यकता हो तो आप मुझे याद कर सकते हो। इस मौक़े पर उन्हें यूथ फोरम, JIH मांगरोल की तरफ़ से "मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) सबके लिए" नामक किताब भी उन्हें भेंट की गई, ताकि पैग़म्बर-ए-इस्लाम की रहमत और इंसाफ़ पर आधारित तालीमात से वाकिफ़ियत बढ़ सके।

झालावाड़ में नि:शुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर हुआ आयोजित

-398 बच्चों की खतना की गई

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। हर साल की तरह इस साल भी सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर ओर ईदगाह इंतजामिया कमेटी की जानिब से निशुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर 23 अक्टूबर 2025 गुरुवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब और ईदगाह सदर शराफत अली उर्फ अब्बू भाई की सदारत में लगाया गया। जिसमें 398 बच्चों की खतना की गई। सोसायटी के सेकेट्री राजू भाई हबीब नगर ओर नायब सदर बल्ला भाई पार्षद इमरान पेंटर ने बताया कि सुबह 8 बजे कुरान खानी से खतना शिविर का आगाज हुआ जो शाम 6 बजे तक चलता रहा। खतना करवाने के लिए झालावाड़ सहित पाटन गागरोन मंडावर सुकेत सातलखेडी रामगंजमंडी, भवानीमंडी, पचपाहड, अकलेरा मनोहरथाना, केथून केशवाराई पाटन सांगोद कुंदनपुर रटलाई असनावर रिछवा भालता बकानी खानपुर, बारां के अलावा एमपी से भी कई लोग तशरीफ़ लाएं। खतना शिविर के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए खतना शिविर इंतजामीया सदर मकसूद भाई महेशपुरा फईम जीलानी ओर केशियर मोनू भाई ने बताया कि खतना शिविर के खुशुशी मेहमान हांजी मुमताज भाई फ्रूट वाले, मुकीम भाई अब्बासी, इनाम जाफर, पार्षद मूकीम भाई, टाटा पुलिस प्रशासन से 112 गाड़ी के इचार्ज हेड राधेश्याम जी मालव,

ईस्माइल अंसारी, डॉक्टर रोशन अली, रईस भाई कटपीस रहे। इनके अलावा झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग स्टाफ ने अपनी सेवाएं दी, हर साल की तरह इस साल भी बाहर से आने वाले सभी हजरात के लिए हाजी बशीर खान, महफूज भाई, हनीफ खान की जानिब से ठंडे पानी के कैंपर लगाए गए। इस मौके पर राजू भाई हबीब, बल्ला भाई पार्षद ,शाहनवाज हुसैन, रंगरेज मोनू भाई, मुख्तार मंसूरी, इमरान पेंटर, नीसार भाई, नेताजी मकसूद भाई, जाकिर भाई, आदिल बोरवेल, इमरान कारपेंटर, फैजान बोरवेल, रईस भाई मिस्त्री, राजू पेंटर, जीशान बोरवेल, फहीम भाई, जिलानी रिंकू, मंसूरी शाहरुख भाई कटपीस, साकिर भाई मिस्त्री, साजिद रज़ा क़ादरी, सोहेल भाईजान, सैफ भाई, शोएब हुसैन, बब्बन पठान, लईक खान, तौसीफ अब्बासी, बब्बल अब्बासी, माजिद खान, गोलू मतीन, इरशाद मिस्त्री, आदील पोपी, मिस्त्री बीटटू, कबानी राजा, पेंटर फैजल मंसूरी, इरशाद अब्बासी, आसिफ आर सी सी, आसीफ वेल्डिंग मौजूद रहे । खतना शिविर के सफल आयोजन के बाद सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब ने सोसायटी के सभी मेंबरान हजरात के सामने निशुल्क इज्तेमाई शादी सम्मेलन का प्रस्ताव रखा। जिसमें सोसाइटी के सभी मेंबरान हजरात ने अपनी रजामंदी दी। इसके बाद सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब ने 29 मार्च 2026 रविवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में 5 जोडे का निशुल्क इज्तेमाई शादी सम्मेलन करने का ऐलान किया। अगले महीने सम्मेलन की तैयारीयां के लिए एक बड़ी मीटिंग की जाएगी जिसमें शहर के जिम्मेदार और उलेमा हजरात को भी बूलाए जाएगे, खतना शिविर में आए हुए खुसुसी मेहमान और खतना शिविर में अपनी खिदमत देने वाले सभी मेंबरान हजरात का सोसायटी के सदर (हाजी अब्दुल हूसेन साहब) (सेक्रेट्री राजू भाई हबीब नगर) (केशियर शाहनवाज हुसैन) (नायब सदर बल्ला भाई पार्षद) ने शुक्रिया अदा किया।

राईन मस्जिद का 13वां सालाना जलसा संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राईन मस्जिद कोटा का 13वा सालाना जलसा बेहतरीन अंदाज़ में सम्पन्न हुआ। शरजील राईन ने बताया कि इस मुबारक मौके की सरपरस्ती हाफ़िज़ शेर ख़ान अशरफी ने फ़रमाई, जिनकी रहनुमाई में बच्चों ने तक़रीरें पेश कीं। हर बच्चे के लफ़्ज़ों में इल्म, अदब और मोहब्बत की खुशबू बसी हुई थी । प्रोग्राम में मेहमाने खुशिसी में मौलाना अलाउद्दीन अशरफी, अफरोज खान, अशफाक बाबा, साहिब भाई, शादाब राईन, जोनी राईन आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम

के आखिर में लंगर का इन्तज़ाम भी किया गया।

सांसद दुष्यंत सिंह अंता-मांगरोल उप चुनाव में हुए सक्रिय

-भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के लिए कर रहे लगातार प्रचार

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता मांगरोल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के प्रभारी सांसद दुष्यंत सिंह लगातार सक्रिय भूमिका निभाते नजर आ रहे है सुबह से लेकर देर रात तक कार्यकर्ताओं पदाधिकारीयों एवं आमजन के बीच पहुंचकर चर्चा कर भाजपा प्रत्याशी के लिए माहौल बनाते नजर आ रहे है। वही केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं नीतियों को जन-जन के बीच मे सांझा कर रहे है। रविवार को सांसद दुष्यंत सिंह, जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, चुनाव समिति सह प्रभारी छगन माहुर, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र नागर, जगदीश मीणा, नंदलाल सुमन, भाजपा नेता सुनील गालव, जयेश गालव, प्रदीप मेरौठा, गिरिराज नागर, योगेश राजोरा,

देवेंद्र नागर, कोशलेंद्र हाडा, देवेंद्र पारेता, रोहित नंदवाना, राहुल नागर, पुष्पदयाल मीणा, शहर अध्यक्ष ओपी पारेता, रामप्रसाद मीणा, जगदीश मेघवाल आदि नेताओ के साथ बामला, बड़गांव, अंता नगर व पलायथा मे बड़ी-बड़ी बैठके लेकर अंता उपचुनाव पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा की मोरपाल सुमन आपके बीच का प्रत्याशी है आप लोगो की मांग के अनुरूप स्थानीय प्रत्याशी को शीर्ष नेतृत्व ने मौका दिया है एक आम कार्यकर्ता का विधायक का प्रत्याशी बनना ये भाजपा मे ही सम्भव है अन्य पार्टियों मे टिकिट मिलना तो दूर मांग भी नही कर सकते। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार मे हुए विकास कार्यो को सांझा किया।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद भाया ने किया मतदाताओं से सघन जनसम्पर्क

-उर्मिला भाया ने भी किया बड़वा, मिर्जापुर में जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया एवं उनकी धर्मपत्नी उर्मिला जैन भाया द्वारा रविवार को अपने समर्थकों के साथ डेढ दर्जन से अधिक गांवों में पहुंचकर आमजन के बीच जनसम्पर्क किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया एवं उनकी धर्मपत्नी द्वारा विधानसभा क्षेत्र के डेढ दर्जन से अधिक गांवों में जाकर जनसम्पर्क किया गया। ग्रामीण मतदाताओं ने गांवों में भाया का माल्यार्पण, साफाबंदी व फलों से तोलकर स्वागत सम्मान किया। जिलाध्यक्ष मीणा ने कहा कि प्रमोद भाया द्वारा अन्ता विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक धार्मिक एवं विकास के कार्य करवाए गए है जबकि भाजपा के इस शासन में कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृत कार्य भी बंद कर दिए गए है या कछुआ चाल से चल रहे है। श्रीमती उर्मिला जैन भाया द्वारा भी रविवार को बड़वा एवं मिर्जापुर गांवों में अपने समर्थकों के साथ पहुंच कर घर-घर जनसम्पर्क करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में जनसंपर्क किया।

जिला न्यायाधीश ने रामगंजमंडी जेल का निरीक्षण किया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव गीता चौधरी ने रामगंजमंडी जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष व्यास एवं सचिव चौधरी ने कारागृह में बंदियों से बातचीत की और उनकी भोजन व्यवस्था, दैनिक आवश्यकताओं एवं सुविधाओं, री चिकित्सा सेवाओं और विधिक सहायता आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल रोमप्रशासन को सभी बंदियों को समय पर पौष्टिक भोजन, स्वच्छ जल, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी को न्याय प्राप्त करने का संवैधानिक अधिकार है। उन बंदियों के संबंध में, जिनकी ओर से कोई अधिवक्ता पैरवी नहीं कर रहा, निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवेदन पत्र तत्काल भरवाने के निर्देश दिए।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया का केडर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा के मांगरोल कस्बे में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया SDPI का कैडर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, स्टेट जनरल सेकेट्री नदीम अख्तर, स्टेट ट्रज़रार ज़ाकिर रंगरेज़, स्टेज कमेटी मेंबर मुफ़्ती मोहम्मद उमर, पूर्व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हाजी सलाम अंता, बारां ज़िला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़ अज्जू, ज़िला उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन, नगर कमेटी मांगरोल अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों

और कार्यकर्ताओं से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया गया। साथ ही अंता विधानसभा उप चुनाव में SDPI द्वारा निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को समर्थन देने पर उनके लिए जी जान से जुट जाने की बात की गई। इस मौक़े पर पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुड़ा एव अंता विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के सुपुत्र ने भी आकर पार्टी कैडर्स से संवाद किया।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स का एक दिवसीय सेमिनार संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) की ओर से रविवार 26 अक्टूबर 2025 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, झालावाड़ रोड, कोटा में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था "शिक्षा, रोजगार और आर्थिक के विकास के लिए 25 वर्षीय रोडमैप" प्रोग्राम के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य स्पीकर एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम के राष्ट्रीय अध्यक्ष आमिर इदरीसी थे। शहर काज़ी जनाब जुबैर अहमद साहब की सरपरस्त रही तथा प्रोग्राम के मुख्य अतिथि आर एन टी कालेज आफ ग्रुप के डॉ वसीम खान रहें। वक्ताओं में ए एम पी के राजस्थान चेप्टर हेड चांद मोहम्मद शेख, डॉ. ए.डी. खिलजी, प्रोफेसर अरमान शेख, हकीम बख्श, सलीम अब्बासी, चार्टर्ड अकाउंटेंट इस्लाम खान, YGN कॉलेज के चेयरमैन अरशद अंसारी, झालावाड़ से मुमताज़ अहमद, प्रोफेसर गुलाम रसूल ने अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने शिक्षा, रोज़गार व

आर्थिक विकास के क्षेत्र में प्रगति के लिए अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा आने वाले 25 वर्षों के लिए शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक ठोस एवं व्यवहारिक योजना तैयार करने पर सुझाव रखे, ताकि नई पीढ़ी को प्रगति के अधिक अवसर प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा में सक्रिय कई संस्थाओं अल-फलाह ट्रस्ट, इमाम हुसैन सोसाइटी, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट, मुहिम हॉस्टल, जनाब अनवार अहमद साहब और मदनी ट्रस्ट को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। प्रोफेसर डॉ. नुसरत फातिमा, प्रोफेसर डॉ. सईदा अंजुम, डॉ. सबरीना अंसारी तथा रिज़वान ज़ेड की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोटा संभाग (क्लस्टर हेड) इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, कोटा जिला (चैप्टर हेड) कमरूज़ ज़मान खान, हसन जुबैर खान, मजीद अंसारी, अनवार अहमद, सोहेल अहमद, इरफान खान तथा मोईन अंसारी तथा अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का भी विशेष सहयोग रहा। अंत में कोटा चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मां खान ने आभार व्यक्त कर प्रोग्राम समाप्ति की घोषणा की।

डॉ. गुलाम रब्बानी के निधन पर शोक सभा आयोजित

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक सदस्य व संरक्षक और समाजसेवी डॉ. गुलाम रब्बानी का निधन हो गया। उनके निधन पर कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजिस्टर्ड) की ओर से शोक सभा रखी गई। कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजिस्टर्ड) के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल कय्यूम कुरैशी ने बताया कि समाजसेवी रब्बानी ने राजकीय चिकित्सा सेवा के अधिकारी रहते

एमजीएच के ब्लड बैंक, उम्मेद हॉस्पिटल के उपाधीक्षक, सेन्ट्रल जेल के डिस्पेंसरी में इंचार्ज, पुलिस ट्रेनिंग सेन्टर में डिस्पेंसरी इंचार्ज जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर अली कुरैशी व राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अलीमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि कुरैश समाज ने एक नि:स्वार्थ समर्पित सच्चे समाज सेवक को खो दिया है।

बिशनपुरा में निर्माणाधीन स्कूल की जांच करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री

-जिला कलेक्टर को थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और मेटेरियल टेस्टिंग के लिए निर्देशित किया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार देर रात को कनवास तहसील के बिशनपुरा स्कूल भवन के निर्माण कार्य की जांच की है। जिसकी गुणवत्ता घटिया पाए जाने पर निर्माण कार्य को थर्ड पार्टी जांच के लिए जिला कलेक्टर को निर्देशित किया है। ऊर्जा मंत्री नागर रात्रि चौपाल के लिए बिशनपुरा पहुंचे थे। जहां ग्रामीणों ने ऊर्जा मंत्री से स्कूल भवन में घटिया निर्माण की शिकायत की थी। ग्रामीणों की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री स्वयं देर रात घटिया सामग्री का उपयोग मिला। स्कूल में की गई डीपीसी की गिट्टी ठोकर मारने से ही उखड़ रही थी। दीवारों की ईंटें हाथों से ही निकाली जा सकती थी। जांच के दौरान नवनिर्मित बीम में क्रैक भी मिला। ग्रामीणों ने बताया कि नींव में भी रेत सोमेंट की जगह मिटटी भरी गई थी। चुनाई में भी रेतकी जगह डस्ट का प्रयोग किया गया है। जिसके बाद ऊर्जा मंत्री ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और मटेरियल टेस्टिंग के लिए निर्देश दिए हैं सीईओ जिला परिषद को भी स्कूल निर्माण की जांच के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनुशंसा पर कोल इंडिया सीएसआर फंड से 15 लाख रुपए की लागत से दो कमरे और बरामदे का निर्माण किया जा रहा है। कार्यकारी एजेंसी पंचायत समिति के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को श्रमा नहीं मिल सकती। अधिकारी कर्मचारी और ठेकेदार की लापरवाही के खिलाफ अभियान चलाकर सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल में जिस प्रकार से घटिया निर्माण हुआ है, पूरे स्कूल को जमींदोज कर पुनर्निर्माण कराए जाने की आवश्यकता है।

गोविन्द सिंह डोटासरा का जयपुर से तारानगर जाते हुए चूरू में किया भव्य स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में स्वागत किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी द्वारा चलाया जा रहा संगठन सृजन अभियान की प्रक्रिया प्रदेश में दो जिलो का छोड़कर पूरी कर ली गई है। अब जिलाध्यक्षों का अंतिम फैसला ऑल इंडिया कांग्रेस स्तर पर होने जा रहा है। इस अभियान से कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी है, भाजपा सरकार नगर निकाय व पंचायतीराज चुनावों से भागना चाहती है, क्योंकि उन्हे पता है कि उनकी स्थिति क्या होने वाली है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता से अपील की कि वें वोटर लिस्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें जिनका नाम वोटर लिस्ट में जोड़ा जाना है उनका नाम जुड़वाये तथा फर्जी नामों को अंकित कर उन्हे हटाने का काम करें। प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि हम प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का आभार व्यक्त करते है। उन्होने कहा कि गोविन्द सिंह डोटासरा ने चूरू कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलकर संगठन पर चर्चा कर गति देने का काम किया है, उनके चूरू आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। इस अवसर पर भाजपा की रीति-निति से परेशान होकर उमेश शर्मा भाजपा छोड कांग्रेस में शामिल हुए। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने उनका कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर चूरू जिला अध्यक्ष इन्द्राज खिचड, पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, किसान नेता आदूराम न्यौल, पूर्व प्रधान अम्मीलाल कस्वां, रामेश्वर प्रजापति, आशाराम सैनी, रामनारायण व्यास, रमजान खान, अबरार खान, कमला पुनियां, संजय दीक्षित, रतनलाल जांगिड, मोहनलाल आर्य, रामप्रताप कांटिवाल, विधाधर मेघवाल, नारायण बालाण, सुनिता कपुरिया, युथ ब्रिगेड जिला अध्यक्ष गौरव शर्मा, मण्डल अध्यक्ष हमीद रिसालदार, शिवकुमार शर्मा, प्यारेलाल दानोदिया, ओम फौजी, दीपिका सोनी, बालीबाई, हर्ष लाम्बा, हेमन्त सिहाग, विमल शर्मा, शाहरूख खान, तारिख नागौरी, तोफिक खान, संजय भाटी, शेर खां मलखाण, बजरंग बजाड, सिराज खां जोईया, आबिद जाबासरिया, योगेश ढाका, अली मोहम्मद भाटी, काजी अब्बास, किशनाराम बाबल, नौमान सयैद, चन्द्रप्रकाश सैनी, विमल ओझा, विनोद खटीक, गिरधारी सिहाग, रामरतन सिहाग, असलम खां मोयल, अजीज खां दिलावरखानी, अरमान खान, श्रवण बसेर जयचंद मेघवाल, आबिद मोयल, आदिल बहलीम, मनीष कुमावत, एडवोकेट अनिस खान, अनिस खान, शंकर चंदेलिया, तौफिक खान, बाबू मंत्री, नानूराम राठी, रामानन्द न्यौल, इस्माईल भाटी, सुनिल मेघवाल, डूंगरसिंह उंटवालिया, विनोद सैनी, युनस खां जोजो, रामेश्वर नायक, ताजू खां, राजीव बहड, निरज शर्मा, कमलेश महला सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए की थी हत्या, 5 आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनू पुलिस ने 25 अक्टूबर 2025 को चर्चित हिस्ट्रीशीटर डेनिश बावरिया हत्याकांड का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि यह हत्या पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी साल मार्च 2025 में मृतक डेनिश बावरिया और उसके साथियों ने मुख्य आरोपी दीपक मालसरिया के साथ मारपीट कर उसकी गाड़ी तोड़ दी थी। इसी का बदला लेने के लिए दीपक, मंदीप उर्फ मदिया और हितेश मील ने डेनिश की हत्या की पूरी साजिश रची।

230 CCTV खंगाले, कई राज्यों में दी दबिश-

एसपी उपाध्याय ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए 5 विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने हिसार, चूरू, जयपुर, नोएडा और सीकर समेत कई ठिकानों पर दबिश दी। करीब 230 सीसीटीवी फुटेज खंगालने और तकनीकी आसूचना के आधार पर पुलिस ने 5 आरोपियों को सीकर और हरियाणा से दबोच लिया।

ऐसे दिया था वारदात को अंजाम-

पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर को आरोपियों ने पहले डेनिश की रैकी की। जब डेनिश अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से जा रहा था, तब 3 कैंपर गाड़ियों में सवार आरोपियों ने चूरू बाईपास पर उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर रोका। इसके बाद उन्होंने डेनिश पर लोहे के पाइपों से जानलेवा हमला किया, उसे अगवा कर लिया और रसोड़ा गांव के पास मारपीट कर मरा हुआ समझकर फेंक गए। आरोपी डेनिश की सोने की चैन और 3 लाख रुपए भी लूट ले गए थे। 21 अक्टूबर को जयपुर में इलाज के दौरान डेनिश की मौत हो गई थी। फिलहाल गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों से पूछताछ जारी है, जबकि हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता दीपक मालसरिया और मंदीप समेत अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ सड़क फोरलेनकरण के लिए 260 करोड़ का लोन स्वीकृत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार 24 अक्टूबर को राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (RSRDC) की 129वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ सड़क के फोरलेनकरण कार्य के लिए नाबार्ड से लिए जाने वाले 260 करोड़ रुपए के लोन की मंजूरी प्रदान की गई। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने कम ब्याज दरों के कारण हुडको से नाबार्ड को शिफ्ट किए जा रहे 175 करोड़ रुपए के लोन की प्रक्रिया को भी स्वीकृति दी। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आरएसआरडीसी के टर्नओवर और लाभ में हुई वृद्धि की सराहना करते हुए अधिकारियों से कहा कि वे कॉस्ट सेंट्रिक अप्रोच के साथ काम करें। उन्होंने निर्देश दिए कि हर परियोजना की प्रोजेक्ट-वाइज कॉस्टशीट तैयार कर उसकी समीक्षा की जाए, ताकि हर प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत और लाभ-हानि की सटीक जानकारी प्राप्त हो सके। दिया कुमारी ने आरएसआरडीसी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे अन्य राज्यों के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल का अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि इन राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाकर राजस्थान के कॉर्पोरेशन को वित्तीय रूप से और मजबूत बनाया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री ने गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि क्वालिटी कंट्रोल विंग को सुदृढ़ किया जाए, ताकि हर परियोजना उच्च स्तर की गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरी हो। उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव (आयोजना) भवानी सिंह देथा, शासन सचिव (वित्त) नवीन जैन, शासन सचिव (पीडब्ल्यूडी) डी.आर. मेघवाल, और सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं आरएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नोखा-सीकर हाईवे पर दोगुना किराया वसूली

-लोक परिवहन संचालक तय दर से अधिक ले रहे किराया, छतों पर भी यात्रियों को बैठा रहे

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नोखा-सीकर स्टेट हाईवे-20 पर लोक परिवहन बसों द्वारा यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक वसूली का मामला सामने आया है। इन बसों के परिचालक यात्रियों से तय दर से दोगुना किराया वसूल रहे हैं, जिससे क्षेत्र की जनता को आर्थिक नुकसान हो रहा है और उनकी सुरक्षा भी दांव पर है। राजस्थान सरकार ने सामान्य बसों का किराया पहले 85 पैसे प्रति किलोमीटर निर्धारित किया था। इसके बावजूद, लोक परिवहन बसें दोगुना किराया वसूल रही थीं। उदाहरण के लिए, सांडवा से बीदासर तक 18 किलोमीटर की दूरी का किराया 15 रुपये 30 पैसे होना चाहिए, लेकिन परिचालक 30 रुपए ले रहे हैं। इन बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बिठाई जाती हैं। बसों की छतों पर कैरियर लगाकर उस पर भी यात्री और सामान भरा जाता है, जिससे यात्रियों की जान हर समय जोखिम में रहती है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि इन बस चालकों ने राजस्थान लोक परिवहन सेवा अधिकारियों से साठगांठ कर रखी है। मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही हैं। लोगों ने परिवहन अधिकारी ओपी बुनकर से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेकर किराये पर लगाम लगाने की मांग की है। 20 रोडवेज बसों के दैनिक संचालन की मांग। उनकी यह भी मांग है कि नोखा सीकर सड़क मार्ग पर कम से कम 20 रोडवेज बसों का दैनिक संचालन शुरू किया जाए, जिसमें 10 बसें सीकर से नोखा बीकानेर और 10 बसें बीकानेर सोवाइत से सीकर के लिए हों, ताकि लोक परिवहन बसों की मनमानी पर अंकुश लग सके। 'जांच कर कार्रवाई की जाएगी' इस संबंध में सुजानगढ़ के परिवहन अधिकारी बजरंगलाल खीचड़ ने कहा, अगर वास्तव में किराया अधिक लिया जा रहा है और बसों पर कैरियर हैं, तो उनके खिलाफ जांच करके कार्रवाई की जाएगी। अभी कार्रवाई चल रही है और स्टेट हाईवे पर भी जल्द ही जांच की जाएगी। यदि ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होगी।

सेजान खान का टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर केंद्रीय विद्यालय, चूरू की कक्षा 9 के होनहार छात्र सेजान खान ने, खेल के क्षेत्र में चूरू का और समाज का नाम रोशन किया है। 23 से 26 अक्टूबर 2025 के बीच, जोधपुर में आयोजित, राजस्थान स्टेट रैंकिंग, टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025 में, सेमी फाइनल में, जयपुर के नैतिक वीर को, 3 - 0 से तथा फाइनल मुकाबले में, जयपुर के ही, प्रो स्टार अकैडमी के, प्रखर बाघ को 3 - 1 से शिकस्त देकर स्टेट लेवल का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। सेजान खान अध्यापक समीर खान के पुत्र और रिटायर्ड प्रिंसिपल नजीर मोहम्मद खान का पोता है। परिवार और समाज को इस कामयाबी पर नाज़ है। शौकत खान झारिया रिटायर्ड जीएसटी कमिश्नर ने शुभकामनाएं और उज्जवल भविष्य की दुआ करते हुए कहा, "फानूस बन कर जिसकी हिफ़ाज़त हवा करे, वो शमा क्या बुझे, जिसे रोशन खुदा करे।"

दीपावली पर 'रामा-सामा' के दिन मुस्लिम समाज ने केंद्रीय मंत्री शेखावत को दी बधाई

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली पर्व के दूसरे दिन मनाए जाने वाले 'रामा-सामा' के अवसर पर शहर में गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक देखने को मिली। इस दिन मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री कासमअली राठौड़ के नेतृत्व में समुदाय के कई गणमान्य लोग मंत्री शेखावत के निवास पहुंचे। उन्होंने मिठाइयाँ भेंट कीं और सौहार्द तथा भाईचारे का संदेश दिया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया और अपने हाथों से मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि, "त्योहारों का असली अर्थ आपसी प्रेम, सम्मान और एकता में है। जब समाज के लोग मिलकर एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होते हैं, तो देश की ताकत और बढ़ती है।" कासमअली राठौड़ ने कहा कि एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होना भारतीय संस्कृति की खूबसूरत परंपरा है, जो समाज को जोड़ती है और नफरत को खत्म करती है। उन्होंने इसे जोधपुर के सामाजिक ताने-बाने की मिसाल बताया। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारी, विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक और मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोग मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत की असली पहचान उसकी सांझी संस्कृति और आपसी प्रेम में है। मौजूद लोगों ने कहा कि इस आत्मीय मुलाकात ने जोधपुर में त्योहारों की खुशियों को दोगुना कर दिया और मारवाड़ में सौहार्द की एक नई मिसाल कायम की।

सांचौर में एलिवेटेड पुल की सर्विस रोड जर्जर बार-बार जाम ने बढ़ाई परेशानी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर में एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य कछुआ गति चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है निर्माण के दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में बनाई गई सर्विस रोड की जर्जर स्थिति अब लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है जगह-जगह गढ़ों में तब्दील इस कच्ची सड़क से बार-बार जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। हर रोज दोपहर बाद सांचौर में हाईवे पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग जाती हैं करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कतार होने के कारण ट्रैफिक जाम के कारण आम राहगीरों के साथ-साथ लंबी दूरी के वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंता जनक स्थिति तब बनी जब आपातकालीन एंबुलेंस भी जाम में फंस गई मरीजों को लाने ले जाने में अस्पताल पहुंचने में देरी होने से लोगों में आंखों से चिंता दोनों देखने को मिल रहे हैं स्थानीय निवासियों ने बताया कि पुल निर्माण के दौरान पक्की डामरीकरण सड़क नहीं बनाने के कारण रोजाना धूल के गुब्बारे के कारण और पानी सड़क पर डालने से कीचड़ से दोपहिया वाहन बार-बार गिरते जा रहे हैं राहगीरों ने प्रशासन से सर्विस रोड की तुरंत मरम्मत कर वाहनों की आवाजाही सुचारु करने की मांग की है साथ ही बार-बार जाम की स्थिति होने के कारण लंबी दूरी के वाहनों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है कई बार धरना भी दे चुके,ज्ञापन भी दे चुके,फिर भी है हठ निर्माता के कारण सड़क निर्माण ठेकेदार द्वारा सर्विस रोड नहीं बनाने के कारण स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है आए दिन दुपहिया वाहन चालकों के हादसे होने पर भी प्रशासन अभी भी नींद में सो रहा है किसी प्रकार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने किया जल संसाधन विभाग के कार्यालयों का औचक निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शुक्रवार सुबह हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रीन एंड क्लीन कैंपस के मानकों के अनुरूप कार्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. यादव ने मुख्य अभियंता प्रदीप के साथ जल संसाधन विभाग के तीनों कार्यालयों — मुख्य अभियंता जल संसाधन (उत्तर), अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त हनुमानगढ़ तथा अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खंड द्वितीय का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में स्वच्छता, हरियाली एवं कार्यालय प्रबंधन की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी शाखाओं का निरीक्षण कर फाइलों के सुव्यवस्थित संधारण एवं त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय जनता के कार्य निष्पादन का केंद्र हैं, इसलिए यहां साफ—सफाई, अनुशासन और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता पर होनी चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा दें। उन्होंने अभिलेखों के रिकॉर्ड प्रबंधन को भी प्राथमिकता देने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जरूरी, संवाद से ही रोकी जा सकती है आत्महत्या- डॉ. खुशाल यादव

-"आत्महत्या रोकथाम: कारण और समाधान" विषय पर कार्यशाला

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में "आत्महत्या रोकथाम: कारण और समाधान" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों सहित आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या की प्रवृत्ति के कारणों एवं समाधान पर चर्चा करना था। कलेक्टर डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली और सोशल मीडिया के अति प्रयोग ने व्यक्ति को परिवार और समाज से दूर कर दिया है। सोशल मीडिया हमें यह एहसास कराती है कि हमारे जीवन में बहुत सी चीजों की कमी है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है। उन्होंने कहा कि नकारात्मकता से बचने और मानसिक शांति बनाए रखने के लिए जीवन में शारीरिक गतिविधियां और सकारात्मक सोच आवश्यक हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव दिखे तो उससे संवाद अवश्य करें, क्योंकि समय पर ध्यान देने से कई बार आत्महत्या जैसे कदम को रोका जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि ब्लॉक व विभागीय स्तर पर नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। कार्यशाला में मनोचिकित्सक डॉ. अनिल सिंह शेखावत ने भारत और राजस्थान में आत्महत्या की वर्तमान स्थिति और रुझान पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी आत्महत्या का प्रमुख कारण बनती जा रही है। डॉ. शेखावत ने कार्यस्थल पर तनाव के कारक, चेतावनी संकेतों की पहचान, समय पर हस्तक्षेप की आवश्यकता तथा परिवार व सहकर्मियों की सहायक भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने टेलीमानस हेल्पलाइन 14416 सहित विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणालियों और रेफरल प्रक्रियाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में एडीएम उम्मेदीलाल मीना, जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई, एसडीएम मांगीलाल सुथार, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, एसई डिस्कॉम रिछपाल सिंह, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया।

भीलवाड़ा में रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा- मुख्यमंत्री

भीलवाड़ा। प्रदेश में औद्योगिक और ऊर्जा विकास को गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार पहल कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर दी गई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। अधिकारियों के अनुसार, नवीन औद्योगिक क्षेत्र बनने के बाद इस क्षेत्र में कई उद्योग स्थापित होंगे, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवा वर्ग के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। ग्राम धुवाला में औद्योगिक क्षेत्र के विकास से न केवल भीलवाड़ा जिले का औद्योगिक परिदृश्य सुधरेगा, बल्कि यह निवेश और रोजगार के नए अवसरों को भी जन्म देगा। रीको के माध्यम से यह औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकसित किया जाएगा और इसके लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसे सड़कें, जल आपूर्ति और बिजली की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा। यह परियोजना प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में सहायक होगी। इस निर्णय से भीलवाड़ा जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों की जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा।

गोविंद सिंह डोटासरा का मुस्ताक खान ने किया स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय सर्किट हाउस के सामने चूरू आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का प्रदेश सचिव मुस्ताक खान ने सभी साथियों के साथ शाल पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास सहारण, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, कांग्रेस नेता अब्दुल लतीफ कारी, लोहिया कॉलेज पूर्व महासचिव पुलकित चौधरी, छात्र नेता प्रीत चांवरिया, युवा नेता तौफीक खान मिटकी, छात्र नेता फरमान खान, पार्षद प्रतिनिधि फारुक खान, आदिल गौरी, युवा नेता सुफियान झारीया, मुदस्सर खान, समीर खान, रोहन स्वामी, नवीन डीगवा, अमित डीगवा, रोहित डीगवा, राकेश कसवां, गोवर्धन ,साहिल तंवर, बिज्जू, खुशी मोहम्मद, मोहम्मद अली, सतार खान, यूसुफ चौहान, अंजार अली, अजीज अली, मकसूद खान, अनवर तगाला, प्रमोद ढूकिया, मोहम्मद अली कुरैशी, अनिरुद्ध सिंह, सोयल खान, आबिद खान, आवेश खान, शाहील, अदनान खान, अरमान खान, समीर, अरबाज खान, शाहबाज खान, मोहसिन खान, समीर राजा, धोनी, निजामुदिन, शाहिद खान, कैफ अरमान, सफीक, अफजल, आबिद उपस्थित रहे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनू के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

गजाला हाशमी ने वर्जीनिया के LG की रेस में दिग्गजों को पछाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद में जन्मी गजाला हाशमी ने अपनी मजबूत दावेदारी ठोककर दुनियाभर की सुर्खियों बटोर ली हैं। एजुकेशन, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के वादे के साथ चुनावी मैदान में उतरीं गजाला अपने भाषण में अप्रवासियों के प्रतिनिधित्व की बात कर रही हैं। साफ छवि के चलते वो रेस में सबसे आगे हैं।

अमेरिका में भारतवंशियों का दबदबा है। सिलिकॉन वैली के टेक टाईकून हो या नगर पालिका से लेकर अमेरिकी संसद वाशिंगटन डीसी तक दर्जनों भारतीय मूल के नेता सात समंदर पार कामयाबी का परचम लहरा रहे हैं। उप-राष्ट्रपति की पत्नी ऊषा वेंस भारतीय मूल की हैं, वहीं ट्रंप की पार्टी के नेता विवेक रामास्वामी तो राष्ट्रपति पद की रेस में हिस्सा ले चुके हैं। इसी कड़ी में भारतवंशी गजाला हाशमी ने वर्जीनिया स्टेट के एलजी पद की रेस में दावा ठोकते हुए मजबूत बढ़त बनाई है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और अप्रवासियों के प्रतिनिधित्व की बात करने वाली भारतीय मूल की गजाला का चुनावी अभियान दक्षिण एशियाई समुदायों के बीच तेजी से पॉपुलर हो रहा है।

गजाला हाशमी को जानिए

जोहरान ममदानी के बाद भारत में जन्मी डेमोक्रेट नेता गजाला हाशमी ने अमेरिका में हलचल मचा दी है। सिर्फ न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के चुनाव में भाग ले रहे भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोहरान ममदानी ही नहीं, जो सुर्खियां बटोर रहे हैं। हैदराबाद में पैदा हुईं डेमोक्रेट नेता गजाला हाशमी इन दिनों अपने फायरब्रांड भाषणों से विरोधी उम्मीदवारों को हिला दिया है। गजाला ने वर्जीनिया में लेफ्टिनेंट गवर्नर पद के लिए पाकिस्तानी मूल के लोगों समेत दक्षिण एशियाई मतदाताओं को अपनी ओर खींचा है। एक लेटेस्ट सर्वे के नतीजों के मुताबिक मैडम गजाला हाशमी रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी जॉन रीड से काफी आगे चल रही हैं।'

4 नवंबर को वोटिंग

चार साल की उम्र में अपनी माँ और बड़े भाई के साथ अमेरिका आ गईं हाशमी का वर्जीनिया की राजनीति में लंबे समय से दबदबा रहा है। भारत में जन्मी यह डेमोक्रेट वर्तमान में वर्जीनिया की स्टेट सीनेटर हैं। उनका अभियान शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अप्रवासी प्रतिनिधित्व पर जोर देता है, जो भारतीय और पाकिस्तानी-अमेरिकी, दोनों समुदायों के साथ जुड़ता है। समुदाय के नेता उनके समावेशी दृष्टिकोण और दक्षिण एशियाई समुदायों के साथ गहरे संबंधों को दुर्लभ सर्वांगीण समर्थन का श्रेय देते हैं। वर्जीनिया के अगले लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव 4 नवंबर को होगा।

गजाला हाशमी के इलेक्शन कैंपेन वेबसाइट के मुताबिक, सार्वजनिक शिक्षा, मताधिकार, बंदूक हिंसा की रोकथाम, जलवायु परिवर्तन, आवास और किफायती हेल्थ स्कीम तक सबकी पहुंच मुहैया कराने की बात कही है। वो लोगों के बीच पॉपुलर हो रही है। आप लोकतंत्र के संरक्षण को भी महत्व देती हैं। यही वजह है कि भारतवंशियों की बढ़ती भागेदारी हो या भारतीय मूल के लोगों के जलवे से जलने वाले अक्सर प्रवासियों पर नस्लभेदी टिप्पणी करते हैं।

महाराष्ट्र में बीजेपी का नाम बदलो मिशन जारी, अब इस्लामपुर बनेगा 'ईश्वरपुर'!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कई स्थानों के नाम बदलने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने यह परंपरा अब महाराष्ट्र में भी शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सांगली जिले के 'इस्लामपुर शहर' का नाम बदलकर 'ईश्वरपुर' करने के प्रस्ताव को औपचारिक रुप से मंजूरी दे दी है। हालांकि, सरकार ने नाम बदलने का ऐलान राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन ही कर दिया था। इससे पहले 18 जुलाई 2025 को सरकार ने ऑफिशियल तौर पर बताया कि इस्लामपुर का नाम बदलकर 'ईश्वरपुर' किया जाएगा। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि यह फैसला राज्य सरकार का एक एजेंडा है, जो ध्रुवीकरण के लिए किया जा रहा है। इसके तहत महाराष्ट्र की दक्षिणपंथी सरकार कई स्थानों के नाम बदलने जा रही है। यह घोषणा राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा में किया। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। भुजबल ने कहा, "नाम बदलने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। राज्य कैबिनेट ने अपना काम पूरा कर लिया है और अब प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है।"

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्लामपुर का नाम बदलने की मांग नई नहीं है। यह मांग सबसे पहले साल 1986 में उठी थी। तब से लेकर अब तक कई बार यह मुद्दा सामने आता रहा। हाल ही में यह मांग फिर से शिव प्रतिष्ठान नाम के संगठन ने उठाई। इस संगठन की अगुवाई कट्टर हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता संभाझी भिडे करता है। शिव प्रतिष्ठान संगठन ने सांगली कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें इस्लामपुर का नाम बदलने की मांग की गई थी। संगठन ने चेतावनी दी थी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और पीछे नहीं हटेगा। अब राज्य सरकार के जरिये प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद यह मामला केंद्र सरकार के पास जाएगा, जिसके बाद औपचारिक रूप से नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी होगी।

इस फैसले को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सरकार का यह कदम राज्य में चल रही एक खास समुदाय से ताल्लुक रखने वाले नाम बदलने की परंपरा के जरिये अपना सियासी आकंक्षा पूरी करना है। पिछले कुछ सालों में बीजेपी सरकार राज्य के कई प्रमुख जगहों के नाम बदल चुकी है। इससे पहले ऐतिहासिक औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर, उस्मानाबाद का नाम धाराशिव और अहमदनगर का नाम अहिल्यानगर कर दिया है।

दुबई में सबसे अमीर भारतीय बने एमए यूसुफ अली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई और पूरे यूएई में सैकड़ों भारतीय बिजनेसमैन बसे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से यहां नाम और दौलत दोनों कमाई है। इनमें रिजवान साजन, बीआर शेट्टी, एमए यूसुफ अली, पीएनसी मेनन और आजाद मूपेन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। मगर इन सबमें एक भारतीय हैं जो यूएई में सबसे अमीर हैं। यूएई में रहने वाले सबसे अमीर भारतीय हैं एमए यूसुफ अली हैं, जो दुनिया के 663वें सबसे अमीर व्यक्ति भी हैं। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब ₹50,855 करोड़ है। वे मिडिल ईस्ट के "रिटेल किंग" कहलाते हैं।

लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के हेड

एम.ए. यूसुफ अली LuLu Group International के चेयरमैन हैं। यह ग्रुप 7.3 अरब डॉलर (करीब ₹64,007 करोड़) के रेवेन्यू वाला रिटेल साम्राज्य है। 240 से अधिक हाइपरमार्केट और मॉल गल्फ देशों समेत 25 देशों में चलाए जा रहे हैं।

भारत से अबू धाबी तक की यात्रा

केरल के एक छोटे से गांव में जन्मे यूसुफ अली ने 1973 में अपने चाचा के छोटे डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस को संभालने के लिए अबू धाबी का रुख किया। वहीं से उन्होंने अपने रिटेल बिजनेस की शुरुआत की और धीरे-धीरे इसे वैश्विक स्तर पर विस्तार दिया।

अबू धाबी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग

साल 2024 में यूसुफ अली ने अपने रिटेल बिजनेस LuLu Group को अबू धाबी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया। इस लिस्टिंग से उन्हें करीब $1.7 अरब (करीब ₹14,000 करोड़) की राशि मिली।

भारत और यूरोप में संपत्तियां

भारत में उनके कई LuLu मॉल हैं, खासकर दक्षिण भारत में। इसके अलावा यूरोप में उनके पास Waldorf Astoria Edinburgh और Great Scotland Yard Hotel (London) जैसी आलीशान संपत्तियां हैं। ग्रेट स्कॉटलैंड यार्ड होटल कभी यूके मेट्रोपॉलिटन पुलिस का मुख्यालय हुआ करता था।

सामाजिक योगदान और मानवता

एम.ए. यूसुफ अली अपने समाजसेवी कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान $6.8 मिलियन (करीब ₹50 करोड़) दान किए और केरल में 1,400 बेड वाला ट्रीटमेंट सेंटर बनाकर सरकार को सौंप दिया।

भारत के टॉप अमीरों में स्थान

भारत के अमीरों की सूची में यूसुफ अली का 49वां स्थान है। हालांकि 2024 में उनकी नेटवर्थ ₹66,638 करोड़ थी, जो अब घटकर ₹50,855 करोड़ हो गई है। फिर भी वे यूएई के सबसे अमीर भारतीय बने हुए हैं।

मस्जिदों और मुस्लिम धर्म केंद्रों की सुरक्षा के लिए 334 करोड़ का फंड देने का ऐलान

-लगातार बढ़ रहे हेट क्राइम के मामले, मस्जिदों की सुरक्षा के लिए दिया ₹117 करोड़ का अतिरिक्त फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने गुरुवार को मस्जिदों और मुस्लिम धर्म केंद्रों की सुरक्षा के लिए 10 मिलियन पाउंड यानी लगभग 117 करोड़ रुपये अतिरिक्त फंड देने का ऐलान किया। यह पैसा मुस्लिम समुदाय की जगहों को नफरत और हिंसा से बचाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह फंड पहले से चल रही प्रोटेक्टिव सिक्योरिटी फॉर मस्जिद्स स्कीम को और मजबूत करेगा।

इस योजना के तहत मस्जिदों, मुस्लिम कम्युनिटी सेंटर्स और मुस्लिम धर्म स्कूलों को सुरक्षा के लिए CCTV कैमरे, अलार्म सिस्टम, मजबूत फेंसिंग और सुरक्षा कर्मी दिए जाते हैं। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन एक सहिष्णु देश है। किसी भी समुदाय पर हमला पूरे देश और उसके मूल्यों पर हमला है। उन्होंने बताया कि यह फंड मुस्लिम समुदाय को सुरक्षा देगा ताकि वे सुरक्षित और शांति से रह सकें। वे चाहते हैं कि ब्रिटेन सभी के लिए सुरक्षित और बेहतर जगह बने।

एक साल में 19% बढ़ी नफरती हिंसा

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक एक साल में मुस्लिमों के खिलाफ नफरत से होने वाले अपराधों में 19% का इजाफा हुआ है। साथ ही धार्मिक नफरत से प्रेरित अपराधों में से 44% मुस्लिम समुदाय को ही निशाना बनाते हैं। यह फंड खासतौर पर तब आया है जब हाल ही में पूर्वी ससेक्स के पीसहेवन मस्जिद में आगजनी हुई थी।

ब्रिटेन की गृह सचिव शबाना महमूद ने कहा कि ऐसी घटनाएं बहुत डराने वाली हैं। उन्होंने बताया कि हर किसी को अपनी धार्मिक आस्था के साथ सुरक्षित और स्वतंत्र जीने का अधिकार है। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी समुदाय या धर्म के खिलाफ हिंसा को सहन नहीं किया जाएगा

और हम सबको एकजुट होकर ऐसे अपराधों का मुकाबला करना होगा।

ब्रिटिश समुदाय ने फैसले का स्वागत किया

ब्रिटिश मुस्लिम ट्रस्ट की सीईओ अकीला अहमद ने भी इस फैसले का स्वागत किया। उनका कहना है कि बहुत से मुस्लिम लोग अपने मस्जिदों पर हो रहे हमलों और तोड़फोड़ की वजह से डर और चिंता महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह नया फंड मुस्लिम समुदाय को सुरक्षा और भरोसा देगा, जिससे वे शांति से पूजा कर सकेंगे।

इस नए फंड के बाद सरकार की तरफ से मस्जिदों और मुस्लिम धर्म स्कूलों की सुरक्षा के लिए कुल 29।4 मिलियन पाउंड यानी करीब 334 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका मकसद इन धार्मिक जगहों को और मजबूत सुरक्षा देना है, ताकि वे नफरत और हिंसा से बची रहें और समुदाय के लोग सुरक्षित महसूस करें।

मुस्लिमों-यहूदियों के खिलाफ हिंसा बढ़ी

क्राइम सर्वे फॉर इंग्लैंड एंड वेल्स (CSEW) ने मार्च 2023 से मार्च 2025 तक के आंकड़ों के आधार पर बताया है कि हर साल लगभग 1।76 लाख हेट क्राइम के मामले दर्ज किए गए हैं। मार्च 2023 के बाद से यहूदी विरोधी और मुस्लिम विरोधी घटनाओं में इजाफा हुआ है। मुसलमानों के खिलाफ अपराध लगभग एक तिहाई बढ़कर 4,478 हो गए, जबकि यहूदियों को निशाना बनाकर किए गए अपराध लगभग दोगुने होकर 2,873 हो गए।

समाज के विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है - अतीक अहमद

-रकमा का मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह, करीब 200 प्रतिभाओं का सम्मान

जालौर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनोरिटी एसोशियेशन (रकमा) जालौर की ओर से मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन चामुंडा गार्डन, जालौर में किया गया। इस अवसर पर जिलेभर से आए लगभग 200 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रकमा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अतीक अहमद ने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। आज मुस्लिम समाज शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ रहा है, इसलिए हर परिवार को बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बालिका शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लड़की पढ़ेगी तो दो घरों को रोशन करेगी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रकमा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जाहिद अली ने कहा कि आज के समय में शिक्षा ही वह दीपक है जो अंधकार को मिटा सकता है। जिस समाज के बच्चे शिक्षित होते हैं, वही समाज आगे बढ़ता है। शिक्षा न केवल नौकरी पाने का माध्यम है, बल्कि यह सोच, संस्कार और आत्मविश्वास का आधार भी है। रकमा कोषाध्यक्ष रहमतुल्ला ने कहा कि हमारे समाज को अगर तरक्की करनी है, तो हमें अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। एक शिक्षित लड़की दो परिवारों को उजाला देती है मायका और ससुराल दोनों को। आज जरूरत है कि हम अपने घरों में बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें, मोबाइल और मनोरंजन से दूर रखकर उन्हें पढ़ाई की दिशा में आगे बढ़ाएं और हर माता-पिता को संकल्प लेना होगा कि हमारे समाज का कोई भी बच्चा अशिक्षित न रहे। मुस्लिम वेलफेयर ट्रस्ट के सदर शहजाद अली सैय्यद ने कहा कि शिक्षा के बिना सरकारी नौकरी पाना मुश्किल है। आज के बच्चे मोबाइल में व्यस्त होकर शिक्षा से दूर हो रहे हैं, उन्हें लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी चाहिए। प्रदेश सचिव रफीक मोहम्मद ने कहा कि आज मुस्लिम समाज के बच्चे पढ़ना चाहते है लेकिन उचित मार्गदर्शन नहीं मिलने से बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर है इसलिए प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। रकमा जिलाध्यक्ष भंवरू खान पठान मादलपुरा ने बताया कि यह जालोर जिले का पहला मुस्लिम समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह है, जिसमें इतनी बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। पूरी टीम की मेहनत से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देना धर्मनिरपेक्ष शिक्षा से वंचित करना है- केरल सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सरकार ने हाई कोर्ट में कहा कि मुस्लिम लड़की को स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत न देना, उसकी निजता और गरिमा पर हमला है। यह उसे धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के उसके अधिकार से इनकार करना है। सरकार ने कहा कि लड़की का अपने घर में और घर के बाहर हिजाब पहनने का अधिकार विद्यालय के द्वार पर खत्म नहीं हो जाता है। ये बातें एक हलफनामे में कही गई हैं, जो पल्लुरुथी में चर्च संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की याचिका के जवाब में दायर किया गया था। याचिका में सामान्य शिक्षा विभाग के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मुस्लिम लड़की को हिजाब पहनकर कक्षा में जाने की इजाज़त दी गई थी। विद्यालय ने विभाग के नोटिस को भी चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया कि शिक्षण संस्थान में गंभीर गड़बड़ी है। जब शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई हुई, तो लड़की की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि उसके माता-पिता ने उसे इस स्कूल से हटाकर किसी दूसरे शिक्षण संस्थान में प्रवेश दिलाने का फैसला किया है।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा

छात्रा के माता-पिता की ओर से दी गई दलील को देखते हुए अदालत ने कहा कि विवादित मुद्दों पर जाने की जरूरत नहीं है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के वकील की इस बात पर भी ध्यान दिया कि बच्चे के माता-पिता के रुख को देखते हुए, विभाग इस मामले में आगे बढ़ना नहीं चाहता है। जज वीजी अरुण ने कहा, 'यह अदालत देखकर खुश है कि अच्छी समझदारी दिखाई गई है और भाईचारा, जो हमारे महान संविधान की नींव के मुख्य सिद्धांतों में से एक है, मजबूत बना हुआ है। उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया।'

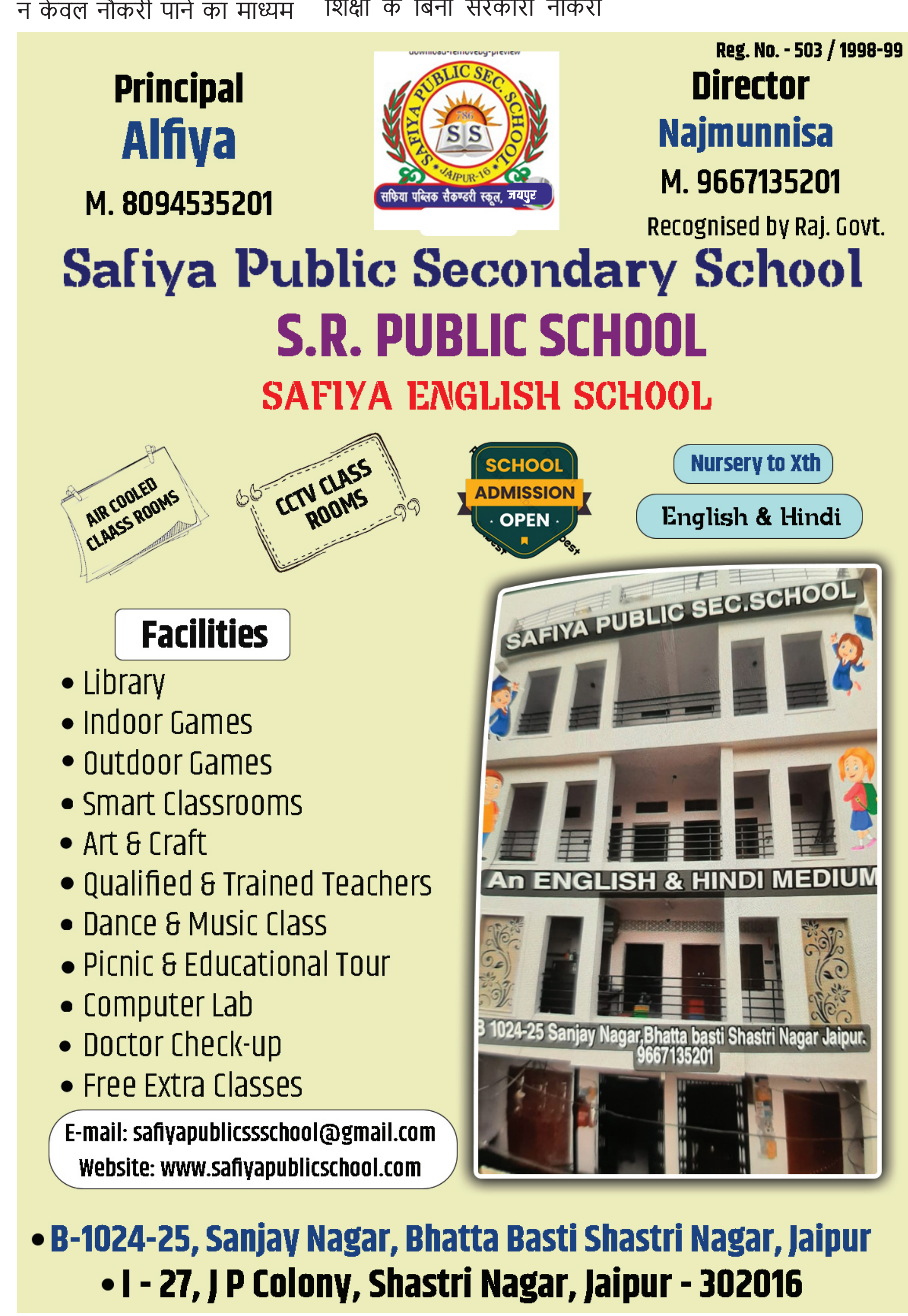

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com